राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोकशक्ति

प्रधानमंत्री मोदी इस महीने 28 दिसंबर को करेंगे मन की बात

ED ने महाराष्ट्र में ISIS से जुड़े मॉड्यूल के 40 से अधिक ठिकानों पर की छापेमारी, 9.7 करोड़ रुपये जब्त

RNI Regn. No.7789/1964 वर्ष-61 > अंक - 342 रायपुर रविवार 14 दिसंबर 2025 विक्रम संवत 2082 पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

विमानन संकट के बीच डीजीसीए का कड़ा प्रहार : 4 फ्लाइट इंस्पेक्टर सस्पेंड

रांची में बड़ा हादसा टला, इंडिगो एयरलाइंस के विमान के लैंडिंग के दौरान पिछला हिस्सा टकराया

एजेंसी

नई दिल्ली देश की विमानन व्यवस्था में मची भारी उथल-पुथल के बीच नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने शुक्रवार को एक बड़ा और सख्त कदम उठाते हुए अपने चार फ्लाइट ऑपरेशन इंस्पेक्टरों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। ये अधिकारी एयरलाइनों की सुरक्षा, पायलट प्रशिक्षण और परिचालन संबंधी नियमों के अनुपालन की निगरानी जैसी बेहद महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालते थे। नियामक संस्था द्वारा यह कार्रवाई ऐसे समय में की गई है जब इंडिगो एयरलाइंस भीषण संकट से जूझ रही है और इसके सीईओ पीटर एल्बर्स के आज डीजीसीए के समक्ष पेश होने की संभावना है। इंडिगो एयरलाइंस में पिछले कुछ दिनों से जारी संकट ने विकराल रूप ले लिया है।

वहीं झारखंड की राजधानी रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर आज उस वक्त एक बड़ा हादसा होने से टल गया, जब हार्ड लैंडिंग के दौरान इंडिगो के एक विमान का पिछला हिस्सा रनवे से टकरा गया। इस घटना के बारे में जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि यह घटना रात लगभग साढ़े सात बजे हुई। इस दौरान वहां लैंड कर रही भुवनेश्वर-रांची फ्लाइट का पिछला हिस्सा रनवे से छू गया।इस संबंध में उन्होंने बताया कि इस विमान में करीब 70 यात्री सवार थे, हालांकि घटना के दौरान किसी को कुछ नुकसान नहीं पहुंचा।इस घटना के बाद अचानक तेज झटका लगने से यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। जिसके बाद पायलट ने विमान को कंट्रोल किया और सुरक्षित लैंडिंग के बाद उसे एप्रन पर ले जाया गया।

भारत में मेसी के शो में भारी बवाल : 10 मिनट में चले गए स्टार फुटबॉलर, गुस्साए फैंस ने तोड़ी कुर्सियां और उखाड़ फेंके गोल पोस्ट

कोलकाता । अर्जेंटीना के विश्व विजेता कप्तान और फुटबॉल के भगवान कहे जाने वाले लियोनल मेसी के भारत दौरे की शुरुआत कोलकाता में भारी हंगामे और अव्यवस्था के साथ हुई है। यूनाइटेड नेशंस के चाइल्ड ऑर्गेनाइजेशन के ब्रांड एम्बेसडर के तौर पर GOAT इंडिया टूर' के तहत कोलकाता पहुंचे मेसी का स्वागत तो जोश से हुआ, लेकिन सॉल्ट लेक स्टेडियम का नजारा जल्द ही रणक्षेत्र में बदल गया। सुबह से अपने चहेते सितारे की एक झलक पाने को बेताब फैंस का सब्र उस वक्त टूट गया जब स्टेडियम में अव्यवस्था का माहौल बन गया। गुस्से में आए दर्शकों ने वहां जमकर हंगामा किया। हालात इतने बिगड़ गए कि फैंस ने स्टेडियम की कुर्सियां तोड़कर फेंकनी शुरू कर दीं और पानी की बोतलें मैदान में फेंकी जाने लगीं।

तिरुवनंतपुरम में बीजेपी की ऐतिहासिक जीत, 4 दशक पुराना LDF का किला ढहा

केरल निकाय चुनाव : भाजपा ने रचा इतिहास

45 वर्षों से चला आ रहा वाम लोकतांत्रिक मोर्चा का शासन समाप्त

तिरुवनंतपुरम. एजेंसी

केरल की राजनीति में शनिवार को एक ऐसा घटनाक्रम सामने आया, जिसने राज्य के सियासी समीकरणों को झकझोर कर रख दिया। दशकों से वामपंथ का मजबूत गढ़ माने जाने वाले तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया। इस जीत के साथ ही 45 वर्षों से चला आ रहा वाम लोकतांत्रिक मोर्चा का शासन समाप्त हो गया और राजधानी की स्थानीय सत्ता में पहली बार बीजेपी-एनडीए का परचम लहराया। इस नतीजे को केवल एक नगर निगम चुनाव की जीत नहीं, बल्कि केरल की राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत माना जा रहा है। एक ओर कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट ने निर्णायक बढ़त हासिल कर राज्य की सियासत में अपनी मजबूती का ऐलान किया, वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम जीतकर इतिहास रच दिया। इन नतीजों को केवल स्थानीय निकाय चुनाव तक सीमित नहीं देखा जा रहा, बल्कि 2026 के विधानसभा चुनावों की भूमिका के तौर पर भी इनका व्यापक राजनीतिक अर्थ निकाला जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस ऐतिहासिक जीत पर तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए इसे केरल की राजनीति के लिए एक निर्णायक क्षण बताया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने तिरुवनंतपुरम के मतदाताओं का आभार जताया और कहा कि बीजेपी-एनडीए को मिला यह जनादेश केवल एक चुनावी सफलता नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत और विश्वास का परिणाम है। प्रधानमंत्री ने लिखा कि तिरुवनंतपुरम कॉर्पोरेशन में बीजेपी-एनडीए की जीत राज्य की राजनीति में एक नया अध्याय खोलती है और यह उन लाखों कार्यकर्ताओं की तपस्या का फल है, जिन्होंने पीढ़ियों तक जमीन पर संघर्ष किया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह जीत अचानक नहीं आई है। बीते कुछ वर्षों में बीजेपी ने केरल में अपनी संगठनात्मक पकड़ को लगातार मजबूत किया है। बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता, स्थानीय मुद्दों को उठाने की रणनीति और केंद्र सरकार की योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने का प्रयास इस सफलता के पीछे अहम कारण माने जा रहे हैं। खासतौर पर तिरुवनंतपुरम जैसे शहरी क्षेत्र में विकास, पारदर्शिता और सुशासन जैसे मुद्दों ने मतदाताओं को प्रभावित किया।

तिरुवनंतपुरम नगर निगम, जिसे लंबे समय से वामपंथ की अभेद्य दीवार माना जाता था, वहां बीजेपी का इस तरह उभरना कई सवालों और संभावनाओं को जन्म देता है। 101 सदस्यीय निगम में बीजेपी ने 50 वार्डों में जीत दर्ज की, जबकि सीपीआई(एम) के नेतृत्व वाले एलडीएफको 29 सीटों पर संतोष करना पड़ा। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट को 19 सीटें मिलीं और दो वार्डों में निर्दलीय उम्मीदवार विजयी रहे। इस तरह बीजेपी पूर्ण बहुमत से महज एक सीट दूर रह गई, लेकिन राजनीतिक रूप से यह बढ़त अपने आप में बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

पीएम मोदी ने दी बधाई: केरल की राजनीति में एक 'वॉटरशेड मोमेंट'

तिरुवनंतपुरम नगर निगम में बीजेपी की ऐतिहासिक जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शहर की जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी. उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ÷Thank you Thiruvananthapuram!÷

पीएम मोदी ने इस जनादेश को केरल की राजनीति में एक 'वॉटरशेड मोमेंट' करार देते हुए कहा कि तिरुवनंतपुरम नगर निगम में बीजेपी-एनडीए को मिला समर्थन इस बात का संकेत है कि राज्य के लोग मानते हैं कि केरल की विकासात्मक आकांक्षाओं को केवल बीजेपी ही पूरा कर सकती है. उन्होंने भरोसा दिलाया कि पार्टी तिरुवनंतपुरम जैसे जीवंत शहर के विकास के लिए काम करेगी और आम लोगों के लिए Ease of Living को और बेहतर बनाएगी.

यूपी : भाजपा अध्यक्ष पद के लिए पंकज चौधरी ने दाखिल किया नामांकन, रविवार को होगा औपचारिक ऐलान

एजेंसी

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने शनिवार को उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया और ऐसा करने वाले वे एकमात्र उम्मीदवार थे। राज्य अध्यक्ष की औपचारिक घोषणा केंद्रीय चुनाव अधिकारी और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल द्वारा रविवार को की जाएगी। चौधरी ने लखनऊ स्थित अपने कार्यालय में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक तथा जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह की उपस्थिति में पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा राज्य चुनाव अधिकारी महेंद्र नाथ पांडे और केंद्रीय चुनाव पर्यवेक्षक विनोद तावड़े को नामांकन पत्र सौंपे।

भारतीय रेल के तत्काल टिकट सिस्टम में बड़ा बदलाव, अब यात्रियों को पहले से ज्यादा सीट मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली. एजेंसी

भारतीय रेल देश की जीवन रेखा कही जाती है और हर दिन करोड़ों यात्री इसकी सेवाओं पर निर्भर रहते हैं। लंबी दूरी की यात्रा हो या अचानक बनी कोई जरूरी योजना, तत्काल टिकट व्यवस्था आम यात्रियों के लिए हमेशा से राहत का बड़ा साधन रही है। बीते कुछ समय से तत्काल टिकटों की उपलब्धता को लेकर यात्रियों में असंतोष भी रहा है, लेकिन अब रेल मंत्रालय ने इस दिशा में कई अहम कदम उठाए हैं, जिनका सीधा असर टिकट मिलने की संभावना पर पड़ रहा है। इन बदलावों का उद्देश्य न सिर्फ टिकट बुकिंग प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना है कि असली यात्रियों तक टिकट पहुंचे और दलालों या बॉट्स की पकड़ कमजोर हो।

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, बीते वर्षों में ऑनलाइन टिकट बुकिंग के दौरान तकनीकी दिक्कतें, सर्वर स्लोडाउन और फर्जी बुकिंग जैसी समस्याएं सामने आती रही हैं। खासकर तत्काल टिकट बुकिंग के शुरुआती कुछ मिनटों में वेबसाइट या ऐप का धीमा पड़ जाना आम बात थी। इसे ध्यान में रखते हुए आईआरसीटीसी ने अपने सर्वर इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया है, ताकि एक साथ बड़ी संख्या में लॉगिन होने पर भी सिस्टम सुचारु रूप से काम करता रहे। इससे अब बुकिंग विंडो खुलते ही टिकट खत्म होने की शिकायतें अपेक्षाकृत कम हो रही हैं। रेल मंत्रालय ने टिकटों के कोटे के बेहतर प्रबंधन पर भी काम किया है। कई ट्रेनों में जहां पहले सीटें खाली रह जाती थीं या आखिरी समय में रद्द होती थीं, अब उन सीटों को तत्काल कोटे में जोड़ने की प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित किया गया है। इससे यात्रियों को अतिरिक्त सीटें उपलब्ध हो रही हैं और प्रतीक्षा सूची की लंबाई भी कुछ हद तक कम हुई है। इसके साथ ही, ट्रेन संचालन के दौरान रेक की उपलब्धता और कोच प्लानिंग को भी बेहतर किया गया है, ताकि मांग वाले रूट्स पर अधिकतम सीटें दी जा सकें। एक अहम बदलाव बुकिंग प्रक्रिया की सुरक्षा से जुड़ा है। फर्जी आईडी और ऑटोमेटेड सॉफ्टवेयर के जरिए टिकट बुक करने वालों पर लगाम लगाने के लिए आधार और मोबाइल ओटीपी जैसे उपायों को और सख्ती से लागू किया गया है।

करूर भगदड़ मामले में बढ़ेगी टीवीके नेता विजय की मुश्किलें, सीबीआई कर सकती है पूछताछ

चेन्नई

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) तमिलनाडु के करूर भगदड़ मामले में तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) प्रमुख विजय से पूछताछ कर सकती है। यह हादसा 27 सितंबर को करूर के वेलुचामिपुरम में विजय के नेतृत्व में आयोजित रैली में हुआ था। भीड़ में अचानक भगदड़ मचने से 41 लोगों की मौत हो गई थी और कम से कम 110 अन्य घायल हो गए थे। हादसे के बाद इस घटना की स्वतंत्र जांच कराने की मांग उठी। मामले पर संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 13 अक्टूबर को एक अंतरिम आदेश जारी कर जांच सीबीआई को सौंप दी थी।

उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने संसद भवन परिसर में शहीदों को श्रद्धांजलि दी

पीआईबी

आज भारत ने 2001 में संसद पर हुए आतंकवादी हमले की बरसी पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। देश की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले बहादुर सुरक्षाकर्मियों और कर्मचारियों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।

उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति, श्री सी पी राधाकृष्णन; प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी; केंद्रीय मंत्रीगण; विपक्ष के नेता, श्री राहुल गांधी; राज्यसभा के उपसभापति, श्री हरिवंश, संसद सदस्यों, पूर्व संसद सदस्यों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। लोक सभा

के महासचिव, श्री उत्पल कुमार सिंह; राज्यसभा के महासचिव, श्री पी. सी. मोदी और शहीदों के परिजनों ने भी अर्पित की।

इससे पहले दिन में, लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने 'एक्स' पर एक संदेश साझा किया, जिसमें उन्होंने कहा कि: ÷वर्ष 2001 में भारत की संसद पर हुए कायराना आतंकी हमले में वीरगति को प्राप्त होने वाले हमारे साहसी सुरक्षाकर्मियों और कर्मठ कर्मचारियों के सर्वोच्च बलिदान को कोटि-कोटि नमन।

विदेश

बैठक में जबरन घुसने पर सुरक्षाकर्मियों ने दिखाया बाहर का रास्ता

पाक की भारी फजीहत : पुतिन के इंतजार में 40 मिनट बैठे रहे शहबाज

अश्गाबात एजेंसी

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर शर्मिंदगी और भारी बेइज्जती का सामना करना पड़ा है। तुर्कमेनिस्तान में आयोजित 'इंटरनेशनल फोरम फॉर पीस एंड ट्रस्ट' में हिस्सा लेने पहुंचे पाकिस्तानी पीएम के साथ जो हुआ, उसकी चर्चा अब पूरी दुनिया में हो रही है। खबरों के मुताबिक, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के लिए शहबाज शरीफ को करीब 40 मिनट तक अकेले इंतजार करना पड़ा और जब उनका सब्र टूटा, तो उन्होंने प्रोटोकॉल तोड़ते हुए एक ऐसी बैठक में घुसने की कोशिश की, जहां पुतिन और तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोआन पहले से मौजूद थे। घटनाक्रम के अनुसार,

शहबाज शरीफ एक बड़े हॉल में रूसी राष्ट्रपति का इंतजार कर रहे थे। वहां रूस और पाकिस्तान के झंडे लगे थे, लेकिन पुतिन की कुर्सी खाली थी। तस्वीरों में देखा गया कि शहबाज शरीफ करीब 40 मिनट तक कुर्सी पर बैठे बोरियत में दांत कुरेदते नजर आए। काफी देर इंतजार करने के बाद जब रहा नहीं गया, तो उन्होंने अपने स्टाफ से कुछ बात की और अचानक उठकर सुरक्षा घेरे को दरकिनार करते हुए बगल के हॉल में घुस गए। हालांकि, कुछ ही पलों बाद दरवाजा खुला और सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया। जिस वक्त उन्हें बाहर निकाला गया, कमरे के अंदर पुतिन और एर्दोआन गंभीर चर्चा करते दिखाई दिए। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसे लेकर पाकिस्तान की काफी किरकिरी हुई। आरटी इंडिया ने भी इस वीडियो को शेयर किया था, जिसमें शहबाज शरीफ को पुतिन और एर्दोआन की बैठक में खलल डालते और फिर बाहर निकाले जाते देखा जा सकता था। हालांकि, बाद में आरटी इंडिया ने यह कहते हुए वीडियो डिलीट कर दिया कि यह घटनाओं की गलत प्रस्तुति हो सकती है। दूसरी ओर, पाकिस्तानी मीडिया का दावा है कि पीएम शरीफ ने पुतिन, एर्दोआन और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के साथ सफल द्विपक्षीय बैठकें की हैं।

2026 का बस्तर ओलंपिक नक्सलवाद से मुक्त बस्तर में होगा

रायपुर, लोकशक्ति। संवाददाता

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में बस्तर ओलिंपिक के समापन समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

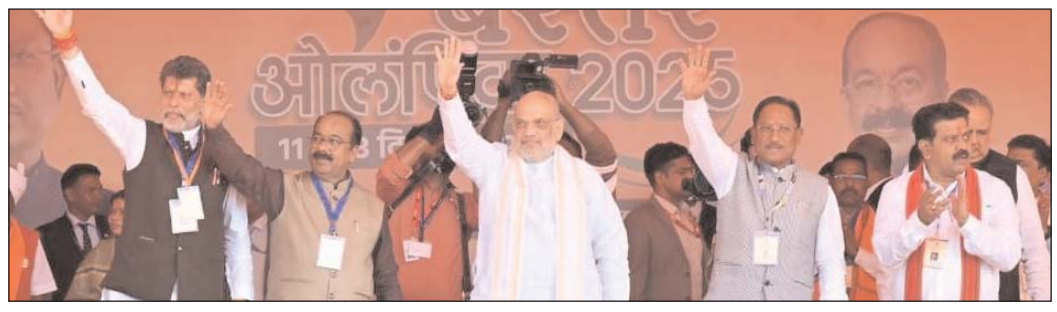

इस अवसर पर केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि हमने तय किया था कि 31 मार्च, 2026 से पहले पूरे देश से लाल आतंक को खत्म कर देंगे और आज बस्तर ओलंपिक- 2025 में हम इस कगार पर खड़े हैं। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष नवंबर-दिसंबर तक बस्तर ओलंपिक-2026 के समय तक पूरे भारत और छत्तीसगढ़ से लाल आतंक समाप्त हो चुका होगा और नक्सलमुक्त बस्तर आगे बढ़ रहा होगा। श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हमने यह संकल्प लिया है कि पूरे बस्तर और भारत को नक्सलमुक्त कराना है। उन्होंने कहा कि हमें यहीं नहीं रुकना बल्कि कांकेर, कोंडागांव, बस्तर, सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर और दंतेवाड़ा के 7 ज़िलों का संभाग बस्तर, दिसंबर 2030 दिसंबर तक देश के सबसे अधिक विकसित आदिवासी संभाग बनेगा। उन्होंने कहा कि बस्तर के हर व्यक्ति को रहने के लिए घर, बिजली, शौचालय, नल से पीने का पानी, गैस सिलिंडर, 5 किलो अनाज और 5 लाख तक का मुफ्त इलाज, बस्तर के घर घर में पहुचाने का संकल्प हमारी सरकार का संकल्प है। श्री शाह ने कहा कि हमने अगले पांच साल में बस्तर को देश का सबसे विकसित आदिवासी संभाग बनाने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि इसमें प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार और श्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार कंधे से कंधा मिलाकर बस्तर को विकसित बस्तर बनाने के लिए मिलकर आगे बढ़ेंगे। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बस्तर का हर गांव सड़क से जुड़ेगा, वहां बिजली होगी, 5 किलोमीटर के क्षेत्र में बैंकिंग सुविधाएं होंगी और सबसे घने पीएचसी/सीएचसी का नेटवर्क बनाने का काम भी हमारी सरकार करेगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में वन उपज की प्रोसेसिंग के लिए कोऑपरेटिव आधार पर यूनिट्स लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि बस्तर के सातों ज़िले सभी आदिवासी ज़िलों में सबसे अधिक दूध उत्पादन कर डेयरी के माध्यम से अपनी आय बढ़ाने वाले ज़िले बनेंगे। उन्होंने कहा कि बस्तर में नए उद्योग, उच्च शिक्षा की व्यवस्था, भारत में सबसे अच्छा स्पोर्ट्स संकुल और अत्याधुनिक अस्पताल की व्यवस्था भी हम करेंगे। श्री शाह ने कहा कि कुपोषण के लिए भी यहां विशेष स्कीम चलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि जिन्होंने आत्मसमर्पण किया है और जो नक्सलवाद के कारण घायल हुए हैं, उनके लिए एक बहुत आकर्षक पुनर्वसन योजना भी हम लाएंगे। गृह मंत्री ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि नक्सलवाद समाप्त हो क्योंकि नक्सलवादी इस क्षेत्र के विकास पर नाग बनकर फन फैलाए बैठे हैं।

ट्रंप के दावों की निकली हवा, थाईलैंड की सेना ने कंबोडिया पर की बमबारी; कई इमारतें-पुल तबाह

न्यूयॉर्क ,थाईलैंड और कंबोडिया के बीच चल रहा सीमा विवाद लगातार गंभीर होता जा रहा है। जहां हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह दावा किया था कि एक फोन कॉल से वह इस टकराव को खत्म कर सकते हैं, वहीं मौजूदा हालात में सीमा पर सैन्य कार्रवाई और तेज होती दिखाई दे रही है। शनिवार को थाईलैंड की वायुसेना ने कंबोडिया से सटे इलाकों में हवाई हमले किए। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, थाई एयरफोर्स ने दो एफ-16 लड़ाकू विमानों की मदद से कई ठिकानों को निशाना बनाया और बमबारी की। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 5-50 बजे कंबोडिया के पश्चिमी प्रांत बट्टमबोंग के त्मोर दा इलाके में स्थित एक होटल भवन पर बम गिराया गया। इसके कुछ ही मिनट बाद, सुबह 5-55 बजे उसी क्षेत्र में एक अन्य होटल इमारत को भी निशाना बनाया गया। इसके बाद हमलों का दायरा रणनीतिक ढांचों तक फैल गया। रिपोर्ट के अनुसार सुबह 6-02 बजे चेई चोम्नास पुल पर हमला किया गया, जबकि 6-07 बजे उसी पुल पर दोबारा बमबारी की गई। सुबह 6-12 बजे चेई चोम्नास के पुराने पुल को भी निशाना बनाया गया। उल्लेखनीय है कि सीमा पर बढ़ते तनाव के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि वह थाईलैंड और कंबोडिया के बीच चल रहे संघर्ष को रोकने में सक्षम हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि उनके हस्तक्षेप से क्षेत्र में शांति बहाल की जा सकती है। हालांकि जमीनी हालात बताते हैं कि दोनों देशों के बीच तनाव कम होने के बजाय और गहराता जा रहा है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

रेडक्रॉस द्वारा 106 कर्मियों को सीपीआर एवं फर्स्ट एड का दिया गया प्रशिक्षण

रायगढ़ । भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा रायगढ़ द्वारा जनकल्याणकारी गतिविधियों की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए आज कलेक्टोरेट स्थित सृजन सभाकक्ष में प्राथमिक उपचार एवं सीपीआर का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कलेक्टर एवं अध्यक्ष, भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा रायगढ़ मयंक चतुर्वेदी के निर्देशन तथा चेयरमेन मुकेश शर्मा, सचिव एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत, प्रभारी अधिकारी डॉ. एच.एस. उरांव तथा राज्य प्रबंध समिति के सदस्य संतोष अग्रवाल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विभागों के कुल 106 अधिकारी, कर्मचारी एवं वाहन चालकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का संचालन राज्य स्तरीय प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर डॉ. अविनाश गुप्ता तथा डॉ.गुलशन सिदार द्वारा किया गया। दोनों प्रशिक्षकों ने प्रोजेक्टर के माध्यम से प्राथमिक उपचार एवं सीपीआर की चरणबद्ध प्रक्रिया समझाई और डेमो मॉडल का उपयोग कर प्रतिभागियों को हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग प्रदान की। प्रशिक्षण के दौरान आपात स्थिति में जीवन रक्षक तकनीकों, रक्तस्राव नियंत्रण, बेहोशी

की स्थिति में प्राथमिक सहायता, हृदयगति रुकने पर त्वरित सीपीआर तथा दुर्घटना स्थल पर सुरक्षित हस्तक्षेप जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विशेष जोर दिया गया।

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा रायगढ़ द्वारा पूर्व में भी जनसेवा एवं राहत कार्यों के लिए कई सार्थक पहलें की गई हैं, जिनमें गरीब एवं जरूरतमंदों को निःशुल्क व्हीलचेयर, ऑक्सीजन सिलेंडर, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, एयरध्वॉटर बेड उपलब्ध कराना, फिजियोथैरेपी सेवाएँ, कृत्रिम अंग वितरण, निःशुल्क दवा एवं एंबुलेंस सेवा, स्वास्थ्य एवं नेत्र शिविर, रक्तदान शिविर, टीबी मरीजों को फूड बास्केट वितरण और लावारिश शवों का कफन-दफन जैसे मानवीय कार्य शामिल हैं। कार्यक्रम के अंत में चेयरमेन मुकेश शर्मा द्वारा सभी प्रशिक्षणार्थियों को उन्हें सीखी गई तकनीकों को अपने कार्यक्षेत्र में प्रभावी रूप से लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत चिकित्सा अधिकारियों को दिया गया विशेष प्रशिक्षण

रायगढ़ । कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देश एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.अनिल कुमार जगत के मार्गदर्शन में आज राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम छत्तीसगढ़ एवं नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो साइंसेज बेंगलुरु के संयुक्त तत्वावधान में चिकित्सा अधिकारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण का आयोजन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय, जिला रायगढ़ के सभाकक्ष में किया गया

प्रशिक्षण का उद्देश्य जिले के समस्त चिकित्सा अधिकारियों एवं आरएमए को मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की सटीक पहचान, प्राथमिक उपचार तथा उचित चिकित्सा प्रबंधन के लिए सक्षम बनाना था। कार्यक्रम में प्रशिक्षक के रूप में बेंगलुरु से आईं डॉ. गुरसिमर कौर ने प्रथम बैच के 50 चिकित्सा अधिकारियों एवं आरएमए को प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन, केस-स्टडीज एवं विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से मानसिक रोगों के उपचार, लक्षणों की पहचान तथा स्वास्थ्य-सेवा पद्धतियों को अत्यंत सरल और प्रभावी तरीके से समझाया।

ग्राफ्टेड बैंगन से बदली खेती की तस्वीर - खरसिया के किसान मुरलीधर साहू ने

रायपुर । ग्राफ्टेड बैंगन एक ऐसा पौधा है जो दो अलग-अलग पौधों के हिस्सों को जोड़कर बनाया जाता है, एक मजबूत जड़ वाला पौधा (रूटस्टॉक) और एक उच्च गुणवत्ता वाला फल देने वाला पौधा (स्कायन)। इस तकनीक से बैंगन की पैदावार बढ़ती है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बेहतर होती है, और मिट्टी से जुड़ी समस्याएं कम होती हैं।

रायगढ़ जिले के विकासखण्ड खरसिया के ग्राम करूमौहा के किसान श्री मुरलीधर साहू आज आसपास के किसानों के लिए प्रेरणा बने हुए हैं। कभी परंपरागत धान की खेती करने वाले श्री साहू को लागत अधिक और लाभ कम होने के कारण खेती में संतुष्टि नहीं थी। इसी बीच उन्होंने उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। यही मार्गदर्शन उनके कृषि जीवन में बड़ा बदलाव साबित हुआ।

कम लागत में उत्पादन में बड़ा इजाफा

उद्यानिकी विभाग द्वारा समय-समय पर दी गई तकनीकी सलाह, प्रशिक्षण एवं प्रेरणा से उनका रूझान पारंपरिक खेती से बदलकर उद्यानिकी फसलों की ओर बढ़ा। विभाग की अनुशंसा पर उन्होंने अपनी एक हेक्टेयर भूमि में ग्राफ्टेड बैंगन फसल का रोपण किया। जैविक खाद और जैविक दवाओं के प्रयोग से लागत भी कम रही और उत्पादन क्षमता में बड़ा इजाफा देखने को मिला।

आधुनिक तकनीक से तीन गुना लाभ

राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के तहत उन्हें 20 हजार रुपए का अनुदान भी मिला। इससे आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था हुई और खेती की दिशा व दशा दोनों बदली। पहले जहां उपज 80 से 85 क्विंटल उत्पादन होता था वहीं आधुनिक तकनीक अपनाने के बाद उपज बढ़कर 150 से 70 क्विंटल तक पहुँच गई। बाजार भाव अच्छा मिलने पर कुल आय 4.5 लाख रुपए और कुल लाभ लगभग 3 लाख रुपए तक पहुँच गया, जो पहले की तुलना में तीन गुना है।

जैविक पद्धति और कम लागत में अधिक उत्पादन

मुरलीधर साहू की सफलता को देखकर आसपास के ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों के किसान भी उद्यानिकी फसलों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। आधुनिक कृषि तकनीक, जैविक पद्धति और कम लागत में अधिक उत्पादन का संदेश दूर-दूर तक फैल रहा है। उनकी यह सफलता कहानी बताती है कि सही मार्गदर्शन, आधुनिक तकनीक और योजनाओं का लाभ लेकर किसान आज आर्थिक रूप से मजबूती की दिशा में बड़े कदम उठा सकते हैं।

एक हेक्टेयर से बनी मिसाल, ग्राफ्टेड बैंगन ने बदली आर्थिक स्थिति

खरसिया के किसान मुरलीधर साहू ने एक हेक्टेयर में ग्राफ्टेड बैंगन की आधुनिक खेती अपनाकर उत्पादन को लगभग दोगुना कर दिया। जैविक विधियों, विभागीय मार्गदर्शन और बागवानी मिशन से प्राप्त अनुदान के सहारे उन्हें इस सीजन में करीब 3 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। इस उपलब्धि ने क्षेत्र के किसानों में नई ऊर्जा और उम्मीद जगाई है।

आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए प्रदत्त टी.एच.आर.में शुगर की मात्रा में की गई कमी

बच्चों के पोषण स्तर को सुदृढ़ करने की दिशा में राज्य सरकार का महत्वपूर्ण कदम

रायगढ़। राज्य सरकार द्वारा बच्चों के संपूर्ण विकास एवं पोषण गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए आंगनबाड़ी केन्द्रों में वितरित किए जाने वाले टेक होम राशन (टी.एच.आर.) में शुगर की मात्रा को 27 प्रतिशत से घटाकर 11 प्रतिशत कर दिया गया है। यह निर्णय वैज्ञानिक तथ्यों, स्वास्थ्य मानकों तथा राष्ट्रीय दिशा-निर्देशों के अनुरूप लिया गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग के अनुसार अत्यधिक चीनी का उपयोग बच्चों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक सिद्ध होता है। शुगर की अधिक मात्रा बच्चों में मोटापा, दांतों की सड़न तथा कम उम्र में मधुमेह जैसी स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिम को बढ़ाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी बच्चों के आहार में न्यूनतम मात्रा में चीनी उपयोग करने की अनुशंसा करता है। टी.एच.आर. का मूल उद्देश्य बच्चों को आवश्यक पोषण उपलब्ध कराना है। शुगर

अधिक होने पर कैलोरी तो बढ़ती है, परंतु प्रोटीन, आयरन और विटामिन जैसे आवश्यक पोषक तत्वों की उपलब्धता कम हो जाती है। शुगर की मात्रा कम करने से पोषक तत्वों का अनुपात बढ़ेगा तथा दाल, दलिया, चना और मूंगफली जैसे पौष्टिक अवयवों का समुचित समावेश संभव होगा, जिससे टी.एच.आर. की पोषक घनत्व में वृद्धि होगी। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी एल.आर. कच्छप ने बताया कि कुपोषित बच्चों के लिए मात्र कैलोरी पर्याप्त नहीं है, उन्हें उच्च गुणवत्ता वाले पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। शुगर कम होने से टी.एच.आर. वास्तविक पोषण प्रदान करने में अधिक सक्षम होगा तथा बच्चों के स्वास्थ्य सुधार में महत्वपूर्ण योगदान देगा। अत्यधिक मीठा खाद्य पदार्थ बच्चों में मिठास की आदत को बढ़ावा देता है। शुगर कम करने से बच्चों में प्राकृतिक स्वाद ग्रहण करने की क्षमता विकसित होती है और आगे चलकर संतुलित आहार लेने की आदत प्रोत्साहित होती है।

आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए प्रदत्त टी.एच.आर.में शुगर की मात्रा में की गई कमी

रायगढ़ । राज्य सरकार द्वारा बच्चों के संपूर्ण विकास एवं पोषण गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए आंगनबाड़ी केन्द्रों में वितरित किए जाने वाले टेक होम राशन (टी.एच.आर.) में शुगर की मात्रा को 27 प्रतिशत से घटाकर 11 प्रतिशत कर दिया गया है। यह निर्णय वैज्ञानिक तथ्यों, स्वास्थ्य मानकों तथा राष्ट्रीय दिशा-निर्देशों के अनुरूप लिया गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग के अनुसार अत्यधिक चीनी का उपयोग बच्चों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक सिद्ध होता है। शुगर की अधिक मात्रा बच्चों में मोटापा, दांतों की सड़न तथा कम उम्र में मधुमेह जैसी स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिम को बढ़ाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी बच्चों के आहार में न्यूनतम मात्रा में चीनी उपयोग करने की अनुशंसा करता है। टी.एच.आर. का मूल उद्देश्य बच्चों को आवश्यक पोषण उपलब्ध कराना है। शुगर अधिक होने पर कैलोरी तो बढ़ती है, परंतु प्रोटीन, आयरन और विटामिन जैसे आवश्यक पोषक तत्वों की उपलब्धता कम हो जाती है। शुगर की मात्रा कम करने से पोषक तत्वों का अनुपात बढ़ेगा तथा दाल, दलिया, चना और मूंगफली जैसे पौष्टिक अवयवों का समुचित समावेश संभव होगा, जिससे टी.एच.आर. की पोषक घनत्व में वृद्धि होगी।

महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी एल.आर. कच्छप ने बताया कि कुपोषित बच्चों के लिए मात्र कैलोरी पर्याप्त नहीं है, उन्हें उच्च गुणवत्ता वाले पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। शुगर कम होने से टी.एच.आर. वास्तविक पोषण प्रदान करने में अधिक सक्षम होगा तथा बच्चों के स्वास्थ्य सुधार में महत्वपूर्ण योगदान देगा। अत्यधिक मीठा खाद्य पदार्थ बच्चों में मिठास की आदत को बढ़ावा देता है। शुगर कम करने से बच्चों में प्राकृतिक स्वाद ग्रहण करने की क्षमता विकसित होती है और आगे चलकर संतुलित आहार लेने की आदत प्रोत्साहित होती है।

समावेशी शिक्षा अंतर्गत क्षमता निर्माण एवं गैप एनालिसिस प्रशिक्षण का हुआ

रायगढ़। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत समावेशी शिक्षा कार्यक्रम के तहत क्षमता निर्माण एवं गैप एनालिसिस (आउट ऑफ स्कूल) विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यालय से वंचित बच्चों की पहचान करना, उनके शैक्षणिक स्तर का मूल्यांकन करना तथा उन्हें मुख्यधारा में जोड़ने के लिए प्रभावी रणनीति तैयार करना था।

कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देश एवं जिला शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में कार्यक्रम का शुभारंभ विकासखंड स्रोत समन्वयक मनोज अग्रवाल द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि समावेशी शिक्षा का मूलभाव यह सुनिश्चित करना है कि हर बच्चा, चाहे वह शारीरिक, मानसिक या सामाजिक किसी भी प्रकार की चुनौती से जूझ रहा हो-शिक्षा के अधिकार से वंचित न रहे।

उन्होंने कहा कि समान अवसर एवं सम्मान के साथ प्रत्येक बच्चे को शिक्षित करना ही शासन की प्राथमिकता है। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर सुमित्रा चंद्रा (बीआरपी) एवं स्पेशल एजुकेटर दीपक रात्रे ने सामान्य एवं दिव्यांग विद्यार्थियों को एकीकृत कक्षाओं में शिक्षण प्रदान करने के व्यवहारिक तरीकों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने समावेशी कक्षा संचालन, व्यक्तिगत आवश्यकता-आधारित शिक्षण, गतिविधि-आधारित अधिगम तथा विभिन्न व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया।

इस अवसर पर डॉ.रागनी (फिजियोथैरेपिस्ट) ने दिव्यांग बच्चों के लिए थेरेपी के महत्व, उनके शारीरिक विकास के उपायों तथा घर पर किए जा सकने वाले सरल अभ्यासों के बारे में मार्गदर्शन दिया। उन्होंने बताया कि नियमित व्यायाम और सकारात्मक वातावरण बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों को समावेशी शिक्षा में शामिल 21 प्रकार की दिव्यांगता, उनके लक्षण, शैक्षणिक आवश्यकताएँ, उपलब्ध सरकारी सुविधाएँ और अधिकारों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही टीएलएम (टीचिंग लर्निंग मटेरियल) के प्रभावी उपयोग से दिव्यांग विद्यार्थियों को सरल तथा रुचिकर तरीके से पढ़ाने के विभिन्न उपायों का भी प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में पालकगण, शिक्षक, विशेष शिक्षक एवं शिक्षण स्टाफ की भागीदारी रही। सभी प्रतिभागियों ने समावेशी शिक्षा को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने का संकल्प व्यक्त किया। प्रशिक्षण के अंत में आयोजित प्रश्नोत्तर सत्र में प्रतिभागियों ने बच्चों की सीखने की कठिनाइयों, व्यवहार संबंधी समस्याओं और उनके समाधान से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनके विशेषज्ञों ने संतोषजनक उत्तर प्रदान किए। दो दिवसीय कार्यक्रम में लगभग 300 छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

रायगढ़ जिले में आवारा कुत्तों के लिए एंटीरेबीज टीकाकरण अभियान तेज

रायगढ़। जिले में नागरिकों की सुरक्षा और रेबीज संक्रमण की रोकथाम को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रायगढ़ जिला प्रशासन द्वारा सभी नगरीय निकायों में एंटीरेबीज टीकाकरण अभियान को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देश पर पशु चिकित्सा विभाग और नगरीय निकायों ने संयुक्त रूप से अभियान को सुचारू और सतत रूप से संचालित किया है, जिसके परिणामस्वरूप जिलेभर में आवारा कुत्तों का टीकाकरण लगातार जारी है। अभियान के अंतर्गत नगर पंचायत किरोड़ीमलनगर में 10 दिसंबर को 20 आवारा कुत्तों का डिवर्मिंग और एंटीरेबीज टीकाकरण किया गया। इससे पूर्व नगर पालिका परिषद खरसिया में 8 दिसंबर को 22 कुत्तों का टीकाकरण संपन्न हुआ था। इसी क्रम में नगर पंचायत पुसौर में 5, 8 और 10 दिसंबर को कुल 8 आवारा कुत्तों में टीकाकरण किया गया। नगर पंचायत धरमजयगढ़ में 29 नवंबर को 10 कुत्तों तथा नगर पंचायत लैलूंगा में 11 दिसंबर को 7 आवारा कुत्तों का डिवर्मिंग और टीकाकरण किया गया।जिले के सभी शहरी क्षेत्रों में चल रहे इस अभियान के तहत अब तक कुल 67 आवारा कुत्तों में एंटीरेबीज टीकाकरण और डिवर्मिंग की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की जा चुकी है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अभियान की गति में किसी प्रकार की कमी न आने पाए और सभी नगरीय निकाय अपने-अपने क्षेत्र में आवारा कुत्तों का व्यापक टीकाकरण सुनिश्चित करें।

उप संचालक, पशु चिकित्सा डॉ. धरमदास झरिया ने बताया कि कलेक्टर के मार्गदर्शन में यह अभियान जिले में रेबीज संक्रमण से सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि बढ़ते शहरी क्षेत्रों में आवारा कुत्तों की संख्या में वृद्धि के मद्देनजर नियमित टीकाकरण अत्यंत आवश्यक है, ताकि संक्रमण का खतरा न्यूनतम रहे। जिला प्रशासन और पशु चिकित्सा विभाग के इस संयुक्त प्रयास से रायगढ़ जिले में रेबीज नियंत्रण को नई गति मिली है। विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे अभियान में सहयोग करें, आवारा कुत्तों के प्रति संवेदनशील रहें>

महानगर के तर्ज पर विकसित होता रायगढ़ शहर, स्मार्ट सुविधाओं और बड़े प्रोजेक्ट्स से बदल रही तस्वीर

रायगढ़। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में मशहूर रायगढ़ शहर अपनी मूल आत्मा और भावनाओं के साथ स्मार्ट सुविधाओं और बड़े प्रोजेक्ट्स के साथ छत्तीसगढ़ के अन्य महानगर की तर्ज पर शहर विकास की नई गति पकड़ चुका है। महानगर की तर्ज पर सुविधाओं से लैस और योजनाबद्ध शहर बनाने की दिशा में आज शुक्रवार को प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी.चौधरी ने नगर निगम क्षेत्र में चल रहे प्रमुख निर्माण कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया। सुबह से कई घंटों तक चला यह दौरा शहर के विभिन्न शहर के हिस्सों में हो रहे विकास के स्तर और प्रगति को परखने पर केंद्रित रहा।

राज्य के वित्त मंत्री चौधरी इन दिनों अपने निर्वाचन क्षेत्र रायगढ़ के प्रवास पर है। वित्त मंत्री चौधरी ने नगर निगम क्षेत्र में कई घंटों तक विभिन्न परियोजनाओं का विस्तृत निरीक्षण किया और अधिकारियों को समयबद्ध एवं उच्च गुणवत्ता में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। वित्त

मंत्री ने कहा कि रायगढ़ को महानगर जैसी सुविधाएँ देना हमारी सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। बेहतर सड़कें, सुरक्षित जलस्रोत, आधुनिक मनोरंजन स्थल और मजबूत शैक्षणिक ढांचा, इन्हीं सबके आधार पर भविष्य का विकसित रायगढ़ निर्मित होगा। निरीक्षण के दौरान वित्त मंत्री ने निर्माण की गुणवत्ता को उच्च रखने तथा कार्यों को तेज रफ्तार से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। वित्त मंत्री ने कहा कि रायगढ़ अब अपनी सांस्कृतिक धरोहर और पहचान की मूल अवधारणाओं के साथ केवल विकसित शहर नहीं, बल्कि एक भावी महानगर के रूप में आकार ले रहा है।

निरीक्षण के दौरान वित्त मंत्री सबसे पहले ईतवारी बाजार स्थित ऑक्सीजोन पहुंचे। शहर के हृदय स्थल में बन रहा यह हरा-भरा आधुनिक उद्यान नागरिकों को स्वच्छ, शांत और सुरक्षित वातावरण प्रदान करेगा। यहां लोग सुबह-शाम सैर, योग और व्यायाम जैसी गतिविधियाँ सहजता से कर सकेंगे। इसके बाद वे नालंदा परिसर पहुंचे, जहां 40 करोड़ रुपए की लागत से अत्याधुनिक लाइब्रेरी का निर्माण तेजी से जारी है। यह लाइब्रेरी विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए एक शैक्षणिक केंद्र के रूप में विकसित की जा रही है, जिसमें आधुनिक तकनीक और अंतरराष्ट्रीय स्तर की ई-बुक सुविधा उपलब्ध होगी। इसके बाद मंत्री ने रायगढ़ स्टेडियम में बन रहे सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निरीक्षण किया। लगभग साढ़े तीन करोड़ की लागत से तैयार हो रहा यह ट्रैक युवाओं को राष्ट्रीय स्तर की प्रशिक्षण सुविधा उपलब्ध कराएगा। स्टेडियम से आगे बढ़ते हुए उन्होंने 4.5 करोड़ रुपये से बन रहे स्विमिंग पूल की प्रगति भी देखी, जहां आधुनिक तैराकी सुविधाएँ उपलब्ध होंगी।

स्मार्ट क्लासरूम एवं आधुनिक लाइब्रेरी का लोकार्पण, रायगढ़ शिक्षा उन्नयन की दिशा में सशक्त कदम

वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक चौधरी ने सरकारी स्कूल में नव-निर्मित आधुनिक लाइब्रेरी एवं स्मार्ट क्लासरूम का लोकार्पण किया

रायगढ़, 12 दिसंबर (आरएनएस)। केवड़ाबाड़ी स्थित शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल में शुक्रवार को आयोजित ÷स्मार्ट स्कूल हैंडओवर सेरेमनी÷ में प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी. चौधरी ने नव-निर्मित आधुनिक लाइब्रेरी एवं स्मार्ट क्लासरूम का लोकार्पण किया। इस अवसर पर वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि रायगढ़ जिले में शिक्षा अधोसंरचना के उन्नयन को सरकार प्राथमिकता दे रही है, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर, आधुनिक और तकनीक-सक्षम शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

कार्यक्रम में महापौर जीवर्धन चौहान, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.के.व्ही.राव, विभागीय अधिकारी, शिक्षक-कर्मचारी एवं अभिभावक उपस्थित थे।

वित्त मंत्री चौधरी ने विद्यालय परिसर का निरीक्षण कर विकास कार्यों की सराहना की तथा भविष्य में भी शिक्षा से जुड़े संसाधनों को मजबूत करने हेतु आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया। केवड़ाबाड़ी विद्यालय में आयोजित यह कार्यक्रम जिले में शिक्षा उन्नयन और तकनीकी नवाचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.राव ने बताया कि नई लाइब्रेरी में विषयवार पुस्तकों, संदर्भ सामग्री और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु समृद्ध साहित्य उपलब्ध कराया गया है, जिससे विद्यार्थियों की अध्ययन-अभिरुचि में वृद्धि होगी और उन्हें उच्चस्तरीय ज्ञान-संसाधन स्कूल परिसर में ही सुलभ हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि स्मार्ट क्लासरूम में स्थापित इंटरैक्टिव स्क्रीन, डिजिटल मॉड्यूल, प्रोजेक्टर एवं हाई-स्पीड इंटरनेट विद्यार्थियों को कठिन विषयों को दृश्यात्मक माध्यमों से समझने में अत्यधिक सहायक सिद्ध होंगे।

हमारी सरकार ने 2 साल में अभूतपूर्व काम किया - मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर मुख्यमंत्री साय ने गिनाई दो वर्षो की उपलब्धि

रायपुर । छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दो वर्षो की उपलब्धियां बताते हुए कहा कि हमारी सरकार के दो साल पूरे हुए हैं। समृद्ध और विकसित छत्तीसगढ़ बनाने लगातार प्रयासरत हैं।

आज शुक्रवार को राजधानी रायपुर के सिविल लाइन स्थित न्यू सर्किट हाउस में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णूदेव साय ने कहा कि पिछले सरकार में 18 लाख गरीब लोग आवास से वंचित थे, अपने अधिकारी से गरीब वंचित थे। हमने शपथ लेते ही गरीबों के पीएम आवास की पहली किश्त जारी की और उनके मकान बने। उन्होंने कहा, किसानों से 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी कर रहे हैं। दो साल का बकाया बोनस भी दिए। कांग्रेस ने भी वादा किया था, उन्हें पांच साल का समय मिला था, लेकिन उन्होंने किसानों का बोनस माफ नहीं किया। 13 लाख किसानों के 3716 करोड़ रुपए देने का काम हमारी सरकार ने किया। हमारी सरकार ने महिलाओं को भी आर्थिक रूप से सशक्त किया है। महतारी वंदन योजना के तहत अभी तक 22वीं किश्त महिलाओं को दे चुके हैं। इसका सीधा फायदा महिलाओं को हो रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, तेंदूपत्ते की कीमत 5 हजार रुपए किए गए हैं। चरण पादुका योजना को फिर शुरू किए हैं, ताकि किसानों के पैरों में कोई चोट न लगे। 73 लाख गरीब परिवारों को राशन दे रहे हैं। भूमिहीन कृषि मजदूरों की संख्या 5 लाख 62 हजार से ज्यादा है। इन्हें हर साल 10 हजार रुपए देने का काम किया है। उन्होंने कहा, सीजीपीएससी जैसे पवित्र संस्था में पिछले सरकार में घोटाले हुए हैं। दोषियों को दंडित किया जा रहा है। हमारी सरकार में पीएससी के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा है। आज पीएससी में पास छात्र हमसे मिलने आ रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में कहा जाता है छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया। नक्सलवाद से पूरा देश वाकिफहै। 2 साल में डबल इंजन की सरकार के कारण आज हमारे यहां के जवान मुस्तैदी के साथ नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं। गृहमंत्री के मार्गदर्शन में आज नक्सलवाद समाप्ति की ओर है। नक्सलियों के आत्मसर्पण के लिए हम नीति लाए हैं। अच्छी पुनर्वास नीति हमने बनाई है। कांग्रेस की सरकार नक्सलियों से लड़ नहीं पाई। सरकार ने नियद नेल्ला नार योजना शुरू की है। बस्तर में अब बदलाव देखने मिल रहा। वहां लोगों को राशन मिल रहा। दूरसंचार के साधन मिल रहे। गांव में अस्पताल खोले हैं। पहले सब बस्तर जाने से डरते थे, वहां अब शांति व्यवस्था आ चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा, हमारी सरकार ने 2 साल में अभूतपूर्व काम किया है। प्रभु श्रीराम को हम भाचा मानते हैं। मुख्यमंत्री तीर्थ योजना के तहत अभी तक 38 हजार से ज्यादा राम भक्त अयोध्या दर्शन करके आए हैं। 5 लाख से ज्यादा बुजुर्ग इस योजना का लाभ ले चुके हैं। उन्होंने कहा, राजिम कुंभ को हम भव्य रूप प्रदान किए हैं। सीएम साय ने कहा, राजधानी रायपुर, बिरगांव आदि को लेकर नया प्रोजेक्ट बनाकर हम काम कर रहे। पिछले साल हमारी सरकार तस्क्ष कलेक्शन में नंबर रहा था। हमारी सरकार ने नई उद्योग नीति बनाई है। इसकी सराहना पूरे देश में हो रही है। 8 लाख करोड़ से ज्यादा का बिजनेस छत्तीसगढ़ को मिल चुका है। नई उद्योग नीति का लाभ हमको मिल रहा है। अभी तक 10 से 12 हजार लोगों को नौकरी दे चुके हैं। शिक्षा विभाग में तैयारी चल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, रायपुर में एयर कार्गो की सुवधा शुरू हुई है। हम लोग अपने मंत्रालय में ई-ऑफिस प्रणाली लागू किए हैं। डिजिटल व्यवस्था को भी हमने शुरू किया है।

हंगामेदार शीतकालीन सत्र होगा 14 से शुरू

किसानों की टोकन समस्या सहित अन्य मुद्दो को लेकर सरकार को घेरेगा विपक्ष

पेपर लेस, बायोमेट्रिक प्रणाली से हाईटेक बन रही विधानसभा

रायपुर । छत्तीसगढ़ विधानसभा का शीतकालीन सत्र 14 से शुरू होगा। पहले दिन 2047 के विजय पर सामान्य चर्चा होगी। पेपर लेस और बायोमेट्रिक प्रणाली से हाईटेक बन रही है विधानसभा में विपक्ष किसानों की धान खरीदी गिरती कानूनन व्यवस्था तथा रेत मफिओं और गिरती कानून व्यवस्था को लेकर सरकार को घेरेगी।

मिली जानकारी के अनुसार विधानसभा का शीत सत्र नए विधानसभाा अटल नगर में 14 से 17 तक होगा। इस सत्र में कुल 628 प्रश्न लगाए गए हैं, जिसमें तारांकित और अतरांकित क्रमशः 333 और 295 हैं। विधानसभा अध्यक्ष के अनुसार इस सत्र में बायोमैट्रिक प्रणाली अपनाई जाएगी। पेपर लेस वर्क को बढ़ावा दिया जाएगा। विधानसभा में 48 ध्यानाकर्षण सूचना प्राप्त हुई है। वहीं 139 अविलंबनीय लोक महत्व के विषय पर चर्चा होगी। पहली बैठक 14 दिसम्बर को 2000 को हुई थी।

विधानसभा अध्यक्ष के अनुसार नए विधानसभा में छत्तीसगढ़ के निर्माता अटल बिहारी बाजपेयी की प्रतिभा लगाई है। यहां पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा भी लगाई जाएगी। जिन्हें पुरानी विधानसभा से नई विधानसभा में स्थांनांतरित किया जाएगा। नए विधानसभा में गुजरात विधानसभा की तर्ज पर एक विजन तैयार किया जाएगा, जिसे देखने पर पूरे छत्तीसगढ़ के दर्शन हो जाएंगे।

मिली जानकारी के अनुसार विधानसभा का शीत सत्र नए विधानसभाा अटल नगर में 14 से 17 तक होगा।

तनाव मुक्त होकर स्वस्थ मन से पढ़ाई करें–वित्तमंत्री ओ.पी.चौधरी

रायगढ़। रायगढ़ विधायक एवं वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि विद्यार्थी तनाव मुक्त होकर स्वस्थ मन से पढ़ाई करें। उन्होंने कहा कि ÷परीक्षा कभी भी जीवन से बड़ी नहीं होती, इसलिए घबराएं नहीं, बल्कि सही समय पर मेहनत शुरू करें। वित्त मंत्री गुरुवार को पुसौर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम झलमला स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के साथ ÷बच्चों से चर्चा 2025÷ कार्यक्रम में संवाद कर रहे थे। इस अवसर पर चौधरी ने विद्यालय में अत्याधुनिक स्मार्ट क्लासरूम का उद्घाटन कर विद्यार्थियों को तकनीकी व नवीन शिक्षण संसाधनों का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

वित्त मंत्री ने विद्यार्थियों से कहा कि दिसंबर से परीक्षा तक के आगामी तीन महीने सफलता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि नियमित रूप से प्रतिदिन 7 से 8 घंटे पढ़ाई करें और छुट्टी के दिनों में 10 घंटे अध्ययन का लक्ष्य रखें। उन्होंने कहा कि, एक भी दिन खराब नहीं करना है। यदि आप आने वाले तीन महीनों तक ईमानदारी और संकल्प के साथ पढ़ाई करेंगे तो बेहतर तैयारी और उत्कृष्ट परिणाम निश्चित हैं। उन्होंने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें आत्मविश्वास, अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी।

मेधावी छात्रों को 1 लाख का पुरस्कार

वित्त मंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चे प्रतिभा से भरपूर होते हैं। उन्हें केवल बेहतर मार्गदर्शन, संसाधन और सुरक्षित वातावरण की जरूरत है। उन्होंने शिक्षकों व अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों की रुचि और क्षमता के अनुसार अवसर प्रदान करें। वित्त मंत्री ने सफलता के लिए अनुशासन, निरंतर प्रयास और सकारात्मक सोच को मूल मंत्र बताया।वित्त मंत्री ने कहा कि राज्य की मेरिट सूची में यदि जिले का कोई विद्यार्थी स्थान प्राप्त करता है, तो उसे 1,00,000 रुपए पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ और बेहतर भविष्य देना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कार्यक्रम में पूर्व विधायक विजय अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, जिला पंचायत सदस्य बृजेश गुप्ता, जनपद अध्यक्ष पुसौर श्रीमती हेमलता चौहान।

एसआईआर को लेकर भाजपा और कांग्रेस कर रहे मंथन, मतदाता सूची को लेकर मतदाता पसोपेश में

छत्तीसगढ़ राज्य में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 18 तक चलेगा

रायपुर । राज्य में एसआईआर को लेकर भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के कार्यकर्ता इस समय घर-घर जाकर दस्तक दे रहे हैं। वहीं बीएलओ भी लक्ष्य पूरा करने के लिए प्रयासरत हैं। इधर भारत निर्वाचन आयोग ने एसआईआर की तिथि 18 तक बढ़ा दी है। भाजपा कार्यालय में भी इसको लेकर मंथन चल रहा है।

राजधानी में इस समय एसआईआर को लेकर राजनीतक दल के कार्यकर्ता मतदाता एवं बीएलओ परेशानी का मुख्य कारण मतदाता सूची में 2003 में नाम होना है। कई वार्डों में विवाहिता स्त्री एक स्थान से दूसरे स्थान पर चली गई है। वहीं कई लोगों ने अपना-अपना वार्ड बदल दिया है, जिसके कारण में इस समय अपना नाम जुड़वाने और कटवाने में परेशान है।

भारत निर्वाचन आयोग ने 01.01.2026 की अर्हता तिथि के संदर्भ में राज्य में चलाए जा रहे मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए निर्धारित तिथियों को एक सप्ताह और बढ़ाकर संशोधित कार्यक्रम की घोषणा की है।

छत्तीसगढ़ राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण का संशोधित कार्यक्रम इस प्रकार हैः

गणना चरण (एन्यूमरेशन फॉर्म) भरने की अवधिः 04.11.2025 से 18.12.2025, मतदान केंद्रों का युक्तियुक्तकरण /पुनर्व्यवस्थापनः 18.12.2025 तक, कंट्रोल टेबल का अपडेशन और प्रारूप (ड्राफ्ट) सूची की तैयारीः 19.12.2025 से 22.12.2025 तक, प्रारूप (ड्राफ्ट) मतदाता सूची का प्रकाशनः23.12.2025 , दावे और आपत्तियाँ दर्ज करने की अवधिः 23.12.2025 से 22.01.2026 तक, नोटिस चरण (नोटिस जारी करना सुनवाई और सत्यापन एवं दावा आपत्तियों का निराकरण) की अवधिः 23.12.2025 से 14.02.2026 तक, मतदाता सूचियों के हेल्थ मापदंडों की जाँच करनाः 17.02.2026 तक, मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशनः 21.02.2026 मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के अंतर्गत प्रत्येक विधानसभा के सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ द्वारा सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) के साथ विशेष बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इन बैठकों में अनुपस्थित, स्थायी रूप से स्थानांतरित, मृत, दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाताओं तथा ऐसे मतदाता जिनके गणना प्रपत्र अब तक प्राप्त नहीं हुए हैं, उनकी सूची की विशेष समीक्षा की जा रही है। इस दौरान स्थायी रूप से स्थानांतरित, मृत, दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाताओं तथा ऐसे मतदाता जिनके गणना प्रपत्र अब तक प्राप्त नहीं हुए हैं,की सूची राजनीतिक दलों के बूथ के साथ साझा भी किया जा रहा है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ श्री यशवंत कुमार ने प्रदेश के सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से अपील की है कि वे अपने-अपने बूथ लेवल एजेंटों के माध्यम से मतदान केंद्र वार बूथ के साथ बैठकों में सहभागिता सुनिश्चित करें,उन्होंने कहा कि सूची का सूक्ष्म अवलोकन कर स्थायी रूप से स्थानांतरित, मृत, दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाताओं की सूची में किसी भी प्रकार की त्रुटि, अपूर्णता अथवा गलत प्रविष्टि की जानकारी 18 दिसंबर तक बीएलओ को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, ताकि मतदाता सूची को अधिक से अधिक शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाया जा सके।

प्रारूप (ड्राफ्ट) मतदाता सूची का प्रकाशन दिनांक 23.12.2025 को किया जाएगा।

सेंट्रल होम मिनिस्टर शनिवार को आएंगे बस्तर, प्रवास दौरान नो ड्रोन फ्लाइंग जोन घोषित

जगदलपुर । सेंट्रल होम मिनिस्टर अमित शाह 13 दिसंबर शनिवार को बस्तर में एक दिवसीय प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम में चल रहे संभाग स्तरीय बस्तर ओलंपिक के समापन समारोह में शामिल होंगे। उनके आगमन को देखते हुए और सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर तमाम जरूरी प्रबंध किए जा रहे हैं। कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा जारी आदेश के तहत केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार अमित शाह का 13 दिसंबर 2025 को बस्तर जिला प्रवास कार्यक्रम नियत है। बस्तर जिला प्रवास दौरान केन्द्रीय गृह मंत्री, की सुरक्षा व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए सम्पूर्ण जगदलपुर शहर को समय दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक के लिए नो ड्रोन फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है।

कमल विहार में जमकर गरजा बुलडोजर, अवैध अतिक्रमण हटाकर लाखों रूपए की जमीन मुक्त की गई

लाखों रूपए मूल्य की जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया। कमल विहार राज्य शासन की एक महत्वाकांक्षी योजना है

रायपुर। नगर निगम प्रशासन द्वारा आज कमल विहार के पास अवैध अतिक्रमण हटाया गया। यहां पर बुलडोजर जमकर गरजा, कई बहुमंजिला ईमारते गरजी तथा अवैध लाखों रूपए मूल्य की जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया।

जोन क्रमांक 10 के आयुक्त विवेकानंद दुबे और कार्यपालन यंत्री आशीष शुक्ला के निर्देश पर आज नगर निगम का अमला अवैध अतिक्रमण हटाने पहुंचा नगर निगम के सूत्रों के अनुसार यहां कई बहुमंजिला इमारते नियम विरूद्ध बनी हुई थी। लाखों रूपए मूल्य की जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया। कमल विहार राज्य शासन की एक महत्वाकांक्षी योजना है। इसके आसपास कई अवैध कब्जे हटाया गया। इसके लिए तीन बुलडोजन लगाए गए हैं। यहां पर बड़ी संख्या में जोन 10 के अध्यक्ष उपस्थित थे।

राजधानी के आसपास इस समय बड़ी संख्या में कालोनाईजर अवैध कब्जा

रायपुर। जनता कांग्रेस के नेता अमित जोगी ने कहा कि जनता कांग्रेस का अखिल भारतीय कांग्रेस में विलय करने का प्रस्ताव रखा गया है। भाजपा से लड़ने के लिए अब हमें एकजुट होना पड़ेगा। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. अजीत जोगी ने कांग्रेस के विरूद्ध चुनाव लड़ने के लिए जनता कांग्रेस की स्थापना की थी। विधानसभा चुनाव में उनके पांच सदस्य चुनकर आ गए थे। जोगी की मृत्यु के पश्चात कई लोगों ने पार्टी छोड़ दी तथा भाजपा में चले गए। अमित जोगी ने कहा कि हमें भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ना है तो एकजुट होना पड़ेगा। इस संबंध में दीपक बैज से प्रतिक्रिया मांगी तो उन्होंने कोई भी जवाब नहीं दिया है। यहां पर नेताओं ने कहा कि हमारे नीति निर्धारक इसका फैसला करेंगे। ज्ञात रहे कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जनता कांग्रेस के विलय का विरोध कर चुक हैं, वहीं भाजपा ने भी इस विलय को लेकर कोई रूचि नहीं दिखाई है।

कोल लेवी घोटाला मामले में राकेश कुमार जैन 19 तक पुलिस रिमांड पर

रायपुर । छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित कोल लेवी घोटाले में ईओडब्ल्यू ने बुधवार को गिरफ्तार किये गये आरोपी राकेश कुमार जैन को कोर्ट ने 19 दिसंबर तक पुलिस रिमांड पर भेजा है।

बता दें कि आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा की टीम ने राकेश कुमार जैन को बुधवार को रायपुर से पकड़ा थो जो कथित तौर पर फर्जी कंपनियों के नेटवर्क के सहारे अवैध वसूली की राशि को करोड़ों रुपये की लेयरिंग के जरिए आगे भेजने में शामिल था। यह कार्रवाई भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, और आईपीसी की धारा 120बी, 384 और 420 के तहत की गयी हैं। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को आज 12 दिसंबर को विशेष न्यायालय में पेश किया गया। अदालत ने उसे 19 दिसंबर तक पुलिस रिमांड में भेज दिया है।

आरोपी की गिरफ्तार के बाद जांच में सामने आया है कि जैन ने अपने और अपने साले के नाम पर दर्जन भर कंपनियाँ बनाई थीं। इसके अलावा अपने कर्मचारियों और परिचितों के नाम पर भी कई शेल कंपनियाँ खड़ी कर रखी थीं, जिनके माध्यम से लेन-देन को वैध दिखाया जाता था।

राजधानी के विभिन्न स्थानों में शीतलहर से बचने नगर निगम की अलाव की व्यवस्था

रायपुर। प्रदेश की राजधानी रायपुर शहर में शीतलहर से आमजनों को सुरक्षा और त्वरित राहत देने नगर पालिक निगम के जोन कार्यालयों के माध्यम से जयस्तम्भ चौक के समीप, रेल्वे स्टेशन के पास, मेकाहारा परिसर, पुराना बस स्टेण्ड पंडरी, महोबा बाजार हॉट बाजार, नेताजी सुभाष स्टेडियम परिसर, बड़ा अशोक नगर, रोटरी नगर, टाटीबंध चौक के समीप सहित राजधानी शहर में लगभग 30 से भी अधिक विभिन्न प्रमुख सार्वजनिक स्थानों में अलाव जलाने की प्रतिदिन नियमित व्यवस्था दी जा रही है।

रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे और आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर जोन कमिश्नरों द्वारा जोन स्वास्थ्य अधिकारियों के माध्यम से महादेवघाट रायपुरा और महोबा बाजार हॉट बाजार, मेकाहारा परिसर, पुराना बस स्टेण्ड पंडरी चंगोराभाठा बाजार, ब्रम्हदेईपारा,शिक्षक कॉलोनी डंगनिया, खमतराई चौक के पास, जयस्तम्भ चौक के पास, रायपुर जिलाधीश परिसर के सामने डॉ भीम राव अम्बेडकर प्रतिमा स्थल चौक के पास, नेताजी सुभाष स्टेडियम परिसर के पास, मोतीबाग, डंगनिया पानी टंकी स्कूल के समीप, शंकर नगर चौपाटी, तेलीबांधा तालाब मरीन ड्राइव, अंतर राज्यीय बस स्टैण्ड भाठागांव, भाठागांव चौक के समीप, कुकरीपारा, दूधाधारी मठ मार्ग, सरोना, चंदनीडीह, कबीर नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी फेस-2, हीरापुर, , नगर पालिक निगम जोन 9 कार्यालय परिसर के समीप मोवा, नगर निगम जोन 10 कार्यालय और अन्य लगभग 30 से भी अधिक विभिन्न प्रमुख सार्वजनिक स्थानों में आमजनों को शीतलहर से रायपुर शहर क्षेत्र में सुरक्षा और त्वरित राहत देने सार्वजनिक अलाव जलाने की प्रतिदिन नियमित व्यवस्था दी जा रही है. शीतलहर की सम्पूर्ण अवधि के दौरान आमजनों को राहत देने जोन कार्यालयों के माध्यम से प्रतिदिन नियमित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों में अलाव जलाने की प्रतिदिन नियमित व्यवस्था दी जा रही।

राजधानी रायपुर सहित उत्तरी छत्तीसगढ़ कड़ाके की चपेट में

रायपुर । राजधानी सहित पूरे उत्तरी छत्तीसगढ़ में उत्तर से आ रही ठंड की प्रबलता के कारण कड़ाके की ठंड पड़ रही है। पेण्ड्रा रोड, अम्बिकापुर में तापमान सामान्य से कम के आसपास आ गया है। इधर तापमान गिरने से कोल्ड वेव चलने से हृदय रोगियों के लिए समस्या खड़ी होती जा रही है।

मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉ. चन्द्रा के अनुसार उत्तर छत्तीसगढ़ कहे जाने वाले सरगुजा संभाग में न्यूनतम तापमान 12 डिग्री पहुंच गया है। वहीं जशपुर संभाग में पंड्रापाठ तथा अन्य स्थानों में बर्फ जमने की शिकायत मिली है। चिल्फी घाटी में भी कड़ाके की ठंड पड़ रही है।

इधर कार्डियक इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ठंड में खून जाम हो जाता है। यहां पर एंजियाप्लास्टी एवं एंजियोग्राफी के ऑपरेशन के बड़ी संख्या में हो रही हैं। हृदयरोग विशेषज्ञों के अनुसार लोगों को गर्म कपड़े पहनने चाहिए तथा समय-समय पर दवाई खाना चाहिए।

जैवविविधता संरक्षण और जल-संरक्षण प्रयासों को मिली वैश्विक मान्यता

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि बिलासपुर जिले के कोपरा जलाशय को छत्तीसगढ़ का पहला रामसर साइट घोषित किया जाना पूरे प्रदेश के लिए अत्यंत गर्व और सम्मान का विषय है। यह उपलब्धि राज्य की समृद्ध जैवविविधता, विविध पक्षी आवासों और सतत जल-संरक्षण प्रयासों को मिली वैश्विक मान्यता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री साय ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए राज्य वेटलैंड प्राधिकरण, पर्यावरण विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और स्थानीय समुदायों के संयुक्त प्रयासों की सराहना करते हुए उनका हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के समन्वित सहयोग से कोपरा जलाशय अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरा उतर सका और छत्तीसगढ़ को यह ऐतिहासिक पहचान प्राप्त हुई। मुख्यमंत्री ने बताया कि कोपरा जलाशय को रामसर दर्जा मिलना छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047 के अंतर्गत वर्ष 2030 तक प्रदेश के 20 वेटलैंड्स को रामसर साइट घोषित कराने के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण और प्रेरक प्रगति है। यह उपलब्धि राज्य की पर्यावरण-संरक्षण नीति और दीर्घकालिक दृष्टि को भी सुदृढ़ करती है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस वैश्विक मान्यता से प्रदेश में इको-टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। साथ ही, यह वेटलैंड संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता को भी और अधिक मजबूत करेगा तथा भावी पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे इस अमूल्य प्राकृतिक धरोहर की सुरक्षा, संरक्षण और संवर्धन में सक्रिय भूमिका निभाएं।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

भारत और रूस की दोस्ती मिसाल

कुल मिला कर द्विपक्षीय संबंध रूस के पक्ष में बेहद झुका हुआ है। उसका क्या समाधान पुतिन पेश करेंगे? उधर रूस और चीन के हित एक दूसरे के संपूरक बने हुए हैं, जबकि यह पहलू भारत के नजरिए एक समस्या है। नई दिल्ली आने से ठीक पहले व्लादीमीर पुतिन ने भारत- रूस के संबंध के बारे में अपना टेम्पलेट सामने रखा है। उन्होंने संदेश दिया कि वे भारत से वैसी ही 'असीमित दोस्ती' चाहते हैं, जैसी उन्होंने चीन के स्थापित की है। पुतिन ने कहा- 'चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ हमने आर्थिक मुद्दों पर ठोस वार्ता कायम की है। भारत यात्रा के दौरान हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी इन मुद्दों पर विस्तार से बातचीत करेंगे। इनमें रूसी बाजार में भारतीय उत्पादों का आयात बढ़ाना भी शामिल है।'

चिड़ियाँ बची रहें

अपने खुले आकाश में।

पृथ्वी बची रहे
बस इतना ही नहीं,
बल्कि ऐसे बचे
कि उसकी साँसों में
मिट्टी की महक हो।

बची रहे आग
जो उजाले दे,
न कि घर जलाए।
बची रहे नदिया
जो प्यास बुझाए,
न कि शव ढोए।

चिड़ियाँ बची रहें
अपने खुले आकाश में,
झरने बचें
पत्थरों के हृदय से फूटते
निर्मल गीत की तरह।

पहाड़ बचें—
झुके नहीं, टूटे नहीं,
हरे-हरे पेड़ बचें
जिनकी छाया में
थकान उतरती है।

रोटी बचे
पसीने की इज्ज़त के साथ,
चावल, मक्का, बाजरा बचें
भूख से पहले।
समंदर बचे—
नीला, गहरा,
लालच से अछूता।

पुस्तकें बची रहें
ताकि विचार
अंधे न हो जाएँ।
मनुष्य बचे—
केवल साँस लेने के लिए नहीं,
मनुष्य के लिए।

मनुष्य ऐसा बचे
कि मनुष्य
मनुष्य का शत्रु न बने।
स्त्री की कोख बचे—
डर से नहीं,
सम्मान से भरी हुई।

नन्हीं बच्चियाँ बची रहें
हँसी के पूरे अधिकार के साथ,
ताकि आने वाली पीढ़ियाँ
सिर्फजन्म न लें,
बल्कि सुरक्षित जी सकें।

पृथ्वी बचे
मनुष्य के लिए,
और मनुष्य बचे
पृथ्वी के लिए।

बची रहे मानवता—
नन्हीं बच्चियों के लिए,
चिड़ियों के लिए,
फूल, पत्तियों और
कोमल कलियों के लिए।

क्योंकि
अगर यह सब नहीं बचा,
तो बचा रहना
सिर्फएक आदत बन जाएगा।

- संजीव ठाकुर

ऊर्जा संरक्षण : धरती और भविष्य की पीढ़ियों के लिए आवश्यक कदम

- सुरेश सिंह बैस शाश्वत

हर कोई जानता है कि पृथ्वी पर ग्लोबल वार्मिंग दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है और वातावरण में अपने विभिन्न प्रकार के हानिकारक परिणाम छोड़ रही है। ग्लोबल वार्मिंग के पर्यावरण पर बहुत बुरे घातक प्रभाव हैं जैसे अत्यधिक वर्षा, अत्यधिक गर्मी के दिन (शुष्क मौसम), बाढ़ ,भूस्खलन कैंसर पैदा करने वाली पराबैंगनी किरणें, आदि। यह समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। लोगों को ऊर्जा के संरक्षण के बारे में जागरूक होना चाहिए और यह भी तय करने का समय आ गया है कि कि भविष्य की पीढ़ियाँ आराम से कैसे रह सकेंगी।

ऊर्जा एक ऐसा शब्द है जो अपने आप में किसी भी पहलू में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता को परिभाषित करता है, यह कई रूपों में हो सकता है जैसे विद्युत ऊर्जा, ऊष्मा ऊर्जा, हाइड्रोलिक ऊर्जा, प्रकाश ऊर्जा और कई अन्य। इन सभी ऊर्जाओं का उपयोग किया जाता है और उन्हें अन्य विभिन्न रूपों में परिवर्तित किया जाता है ताकि वे बिजली पैदा कर सकें और काम करने में मदद कर सकें। हमारे जीवन में कई जगहें हैं जहाँ हम ऊर्जा का उपयोग करते हैं, उदाहरण के लिए खाना बनाते समय, टीवी देखते समय या कुछ संगीत बजाते समय स्ट्रीट लाइट।

ऊर्जा की खपत हर जगह होती है। इसलिए यह साबित होता है कि हम इसके बिना जीवित नहीं रह सकते। लेकिन कोई भी इसबात पर ध्यान नहीं देता कि इतनी ऊर्जा का उपयोग करने के बाद हमें क्या परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। इससे निश्चित रूप से पर्यावरण की स्थिति, वित्तीय स्थिति को नुकसान पहुँचता है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जीवित प्राणियों का आराम सुगम्य जीवन प्राकृतिक जीवन छिन जाता है।हर व्यक्ति के जीवन में कई बदलाव किए जा सकते हैं ताकि ऊर्जा को संरक्षित किया जा सके। क्योंकि यह हर किसी के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है।

ऊर्जा संरक्षण के लिए तो वैसे कई छोटे-छोटे उपाय किए जा सकते हैं, लोगों को अपने कपड़ों को वॉशिंग मशीन में और ज़्यादातर ठंडे पानी में धोना चाहिए। और ऊर्जा बचाने के लिए अन्य अलग-अलग सेटिंग्स का इस्तेमाल करना चाहिए। यह घर में मौजूद दूसरी इलेक्ट्रॉनिक मशीनों के साथ भी किया जा सकता है। लोगों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे कम एयर कंडीशनर का उपयोग करें और अपने इलाके के आसपास अधिक से अधिक पेड़ लगाएं ताकि उन्हें प्राकृतिक और ताजा हवा मिल सके। लोगों को अपने घरों में रिसाइकिल होने वाली वस्तुओं का इस्तेमाल करना चाहिए, उदाहरण के लिए डिब्बे, प्लास्टिक की बोतलें और अख़बार। इनसे बहुत ज़्यादा ऊर्जा बचती है और ये नए उत्पाद बनाने में भी मदद करते हैं।

?ऊर्जा की बचत कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद कर सकती है, जिससे एक पृथ्वी एक स्वच्छ ग्रह बन सकती है, जो सभी के लिए स्वस्थ है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आप ऊर्जा का समझदारी और विवेकपूर्ण तरीके से उपयोग कर रहे हैं, कुछ रोज़मर्रा की तरकीबें सीखना त्वरित और आसान है।

ऊर्जा का संरक्षण करना सीखने का कोई वास्तविक नुकसान नहीं है। आप पर्यावरण की मदद करते हैं और

ऊर्जा खपत से कम उपयोगिता बिलों के साथ जीतते हैं। ऊर्जा का संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है, और समय की मांग है क्योंकि उद्योगों के विकास में वृद्धि हुई है, और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे अपने द्वारा उत्पादित सभी हानिकारक कचरे का ध्यान नहीं रखते हैं। इससे पर्यावरण और जलवायु परिस्थितियों को बहुत नुकसान पहुंचा है और हम बदतर जीवन जी रहे हैं। बढ़ते प्रदूषण के कारण जलवायु स्थिति में बदलाव का एक बहुत ही सामान्य उदाहरण ओजोन परत का असमान्य क्षरण है, जो हानिकारक पराबैंगनी किरणों के कारण त्वचा कैंसर का कारण बनता है।ऊर्जा संरक्षण नियम बताता है कि ऊर्जा को न तो बनाया जा सकता है, और न ही नष्ट किया जा सकता है। और यह केवल एक रूप से दूसरे रूप में परिवर्तित हो सकती है। यह दर्शाता है कि ऊर्जा पूरे सिस्टम में एक समान रहेगी जब तक कि बाहर से कुछ अतिरिक्त ऊर्जा न जोड़ी जाए। ऊर्जा संरक्षण के लिए साधारण और आवश्यक उपाय इस तरह कर सकते हैं कि कमरे से बाहर निकलते समय लाइट बंद कर देना, जब उपकरण उपयोग में न हों तो उन्हें बंद कर देना और गाड़ी चलाने के बजाय पैदल चलना, ये सभी ऊर्जा संरक्षण के उदाहरण हैं। लोगों द्वारा ऊर्जा संरक्षण के दो मुख्य कारण हैं अपने ऊर्जा बिल पर अधिक नियंत्रण प्राप्त करना और पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधनों की मांग को कम करना।हम ऊर्जा की खपत को कम करके, हानिकारक ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा को कम करके सकारात्मक योगदान दे सकते हैं। ऊर्जा की बचत का मतलब पैसे की बचत भी है। हम ऊर्जा की खपत को कम करके, अपने ऊर्जा बिलों के लिए भुगतान की जाने वाली राशि को भी कम कर सकते हैं। हमारे पास बदलाव लाने की शक्ति है। ऊर्जा संसाधनों के प्रयोग के विकल्प विकसित किए जाने चाहिए। हम सभी को यह जानना अति आवश्यक है कि ऊर्जा की बचत ही ऊर्जा का उत्पादन है। अतः जहाँ तक संभव हो सके ऊर्जा की बचत की जानी चाहिए वहीं गैर-परंपरागत ऊर्जा के साधनों के प्रयोग को प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। इससे ग्लोबल वार्मिंग को कम करने में मदद मिलती है। पर्यावरण प्रदूषण कम होता है। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होती है।इससे पैसे बचते हैं। अर्थव्यवस्था मज़बूत होती है। भविष्य की पीढ़ियों के लिए नवीकरणीय ऊर्जा को बनाए रखने में मदद मिलती है। ऊर्जा स्वतंत्रता बढ़ती है। ऊर्जा दक्षता में सुधार होता है। ऊर्जा साक्षरता भी बढ़ती है। **यह निजी विचार है।**

हिन्दी की राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता का प्रश्न

संजीव ठाकुर, वरिष्ठ पत्रकार स्तंभकार

आज केवल भाषा का प्रश्न नहीं रह गया है, बल्कि यह सांस्कृतिक स्वाभिमान, बौद्धिक स्वतंत्रता और राष्ट्रीय चेतना से गहराई से जुड़ा हुआ विषय बन चुका है। महात्मा गांधी का यह कथन कि राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी का प्रयोग देश की उन्नति के लिए अत्यंत आवश्यक है, आज भी उतना ही प्रासंगिक और मार्गदर्शक है, जितना स्वतंत्रता संग्राम के काल में था। संविधान ने हिंदी को भारत संघ की राजभाषा का दर्जा अवश्य दिया, किंतु व्यवहारिक धरातल पर उसे जो सम्मान, स्वीकार्यता और व्यापक प्रयोग मिलना चाहिए था, वह आज भी अधूरा है। विडंबना यह है कि अपने ही देश में हिंदी बोलना कई बार कम शिक्षित होने का संकेत मान लिया जाता है, जबकि अंग्रेजी में संवाद करना सामाजिक प्रतिष्ठा और बौद्धिक श्रेष्ठता का प्रतीक समझा जाता है।

यह मानसिकता केवल भाषा की उपेक्षा नहीं है, बल्कि उस सांस्कृतिक दासता की अभिव्यक्ति है, जिसकी ओर ब्रिटेन के विचारक वाल्टर कैनिंग ने संकेत करते हुए कहा था कि किसी स्वतंत्र राष्ट्र में विदेशी भाषा का संवाद और शिक्षा की प्रमुख भाषा बने रहना सांस्कृतिक गुलामी का परिचायक है। भारत में अंग्रेजी को राजकाज, प्रशासन, न्याय और उच्च शिक्षा में जो विशेष महत्व प्राप्त है, वह अंग्रेजी की उपयोगिता से अधिक उस मानसिक पराधीनता को उजागर करता है, जो औपनिवेशिक काल की विरासत के रूप में आज भी हमारे भीतर जीवित है। हिंदी को अपने वास्तविक और स्वाभाविक सम्मान के लिए निरंतर संघर्ष करना पड़ रहा है, जबकि 14 सितंबर 1949 को इसे राजभाषा घोषित किए जाने के बाद अपेक्षा थी कि केंद्रीय मंत्रालयों और सरकारी कार्यालयों में इसका व्यापक और प्रभावी प्रयोग सुनिश्चित किया जाएगा, परंतु आज भी स्थिति यह है कि हिंदी के नाम पर कार्यालयों में केवल ÷कृपया हिंदी भाषा का प्रयोग करें÷ जैसे बोर्ड लगाकर औपचारिकता निभा ली जाती है और वास्तविक कामकाज अंग्रेजी में ही संचालित होता है, जो निस्संदेह भारतीय भाषाओं के आत्मसम्मान का अपमान है।

हिंदी का प्रश्न केवल राष्ट्रीय स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी इसकी स्वीकार्यता और प्रतिष्ठा का विषय उतना ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि विदेशों में बसे भारतीय मूल के लोग भी आपस में अंग्रेजी में संवाद कर स्वयं को अधिक आधुनिक और गौरवान्वित अनुभव करते हैं, जबकि हिंदी उनकी सांस्कृतिक पहचान और भावनात्मक जड़ों से जुड़ी भाषा है। संविधान ने हिंदी को सैद्धांतिक रूप से राजभाषा का दर्जा दिया है, किंतु आवश्यकता इस बात की है कि यह यत्र-तत्र-सर्वत्र व्यवहारिक रूप से स्वीकार्य बने और समाज के हर वर्ग द्वारा अपनाई जाए। हिंदी राष्ट्र की सर्वाधिक आत्मसात की गई भाषा है, हालांकि संविधान ने बांग्ला, उर्दू, पंजाबी, तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम, ओड़िया, मराठी सहित 22 भाषाओं को मान्यता दी है और सभी भाषाएं समान रूप से सम्मान की अधिकारी हैं, फिर भी संपर्क भाषा के रूप में हिंदी का स्थान स्वाभाविक रूप से सर्वोपरि है। संविधान के अनुच्छेद 343 (खंड 1) में स्पष्ट किया गया है कि भारत संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी होगी तथा राजकीय प्रयोजनों के लिए प्रयुक्त अंकों का रूप भारतीय अंकों का अंतरराष्ट्रीय स्वरूप होगा, इसके बावजूद व्यवहारिक स्तर पर हिंदी को वह स्थान नहीं मिल पाया, जो उसे मिलना चाहिए था। आज देश में हिंदी बोलने और समझने वालों की संख्या लगभग 45 से 46 प्रतिशत है, जो इसे भारत की सबसे व्यापक भाषा बनाती है, किंतु भौगोलिक विविधता और भाषाई बहुलता के कारण भाषावाद की राजनीति ने हिंदी को कई स्तरों पर नुकसान पहुंचाया है। कुछ क्षेत्रीय राजनीतिक शक्तियां आज भी यह नहीं चाहतीं कि हिंदी को नैतिक और व्यवहारिक रूप से राजभाषा का समुचित सम्मान मिले, और

इस विषय पर संसद तक में विरोध देखने को मिलता है, जबकि इतिहास गवाह है कि स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी नेताओं ने हिंदी को पूरे राष्ट्र की संपर्क भाषा के रूप में स्वीकार किया था और देश के विभिन्न भाषा-भाषी समुदाय आपस में विचार-विमर्श के लिए हिंदी का ही सहारा लेते थे। हिंदी की इसी सार्वभौमिकता और संवाद क्षमता के कारण उसे राजभाषा का दर्जा दिया गया, किंतु उसकी व्यापकता और गहराई को देखते हुए यह अपेक्षा आज भी जीवित है कि उसे राष्ट्रभाषा का नैतिक सम्मान प्राप्त हो। हिंदी बहुसंख्यक भारतीयों द्वारा बोली और समझी जाने वाली भाषा है और इसकी देवनागरी लिपि वैज्ञानिक, सरल और सहज है, जिसमें उच्चारण और लेखन का सीधा संबंध है। हिंदी की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि वह विदेशी भाषाओं के शब्दों को बिना किसी संकीर्णता के आत्मसात कर लेती है और इसी कारण वह जीवंत, प्रवाहमयी और समयानुकूल बनी रहती है।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद का यह कथन अत्यंत महत्वपूर्ण है कि हिंदी ने कभी मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द या शब्दावली का बहिष्कार नहीं किया, बल्कि उसे आत्मसात कर अपनी अभिव्यक्ति को और समृद्ध बनाया। शोध अध्ययनों में भी यह तथ्य सामने आया है कि हिंदी विश्व की सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाओं में अग्रणी है और भारत की जनसंख्या संरचना के अनुसार यह लगभग 46 प्रतिशत लोगों की भाषा है। इसके बावजूद कुछ लोग अंग्रेजी को भारत की संपर्क भाषा कहने का दुस्साहस करते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि अंग्रेजी कभी भी देश के आम आदमी की भाषा नहीं रही और न ही हो सकती है। एनी बेसेंट का यह कथन आज भी उतना ही सत्य है कि भारत के विभिन्न प्रांतों में बोली जाने वाली भाषाओं में हिंदी सबसे प्रभावशाली बनकर उभरी है और जो व्यक्ति हिंदी जानता है, वह पूरे भारत में सहजता से यात्रा कर सकता है, संवाद कर सकता है और जानकारी प्राप्त कर सकता है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भी भारत में अपने उत्पादों के प्रचार-प्रसार के लिए हिंदी को अपनाया है, जो इस बात का प्रमाण है कि हिंदी की व्यावहारिक शक्ति और बाजार में उसकी स्वीकार्यता अत्यंत व्यापक है। यह स्वीकार करना आवश्यक है कि अंग्रेजी एक अंतरराष्ट्रीय भाषा है और वैश्विक स्तर पर रोजगार तथा तकनीकी संवाद में उसकी भूमिका महत्वपूर्ण है, किंतु इसका अर्थ यह कदापि नहीं कि हिंदी का अपमान या उपेक्षा उचित ठहराई जाए। हिंदी देश की संवेदनशील और भावनात्मक भाषा है, जो राष्ट्र को एकता के सूत्र में बांधने और व्यापक वैचारिक विमर्श को संभव बनाने की क्षमता रखती है। आवश्यकता इस बात की है कि हिंदी को केवल औपचारिकता की भाषा न बनाकर व्यवहार, प्रशासन, शिक्षा, तकनीक और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आत्मविश्वास के साथ स्थापित किया जाए, तभी हिंदी को वह गौरव और सम्मान प्राप्त हो सकेगा, जिसकी वह वास्तविक अधिकारी है।

यह निजी विचार है।

तेजस का क्रैश सैन्य साख का भी क्रैश

हरिशंकर व्यास

पर भारत की मानों आंखें बंद। तभी खबर रफा-दफा हुई। जिस सरकारी कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने तेजस बनाया है, उसने इतना भर कहा, दुर्घटना विशेष परिस्थितियों की अलग घटना हैज तेजस समग्र रूप से विश्वसनीय है। वही मीडिया चैनलों में सुनाई दिया कि अमेरिका ने दुबई एयर शो में तेजस दुर्घटना की साज़िश रची। मतलब जो हुआ, दुनिया ने जो देखा और अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने लिखा वह सब भारत में बेमतलब। इसलिए क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने तेजस में बैठकर उसकी विश्वसनीयता बनाई थी।

पर 12 हजार घंटे से अधिक उड़ान के अनुभव वाले एयरफोर्स पायलट विंग कमांडर स्याल के बस में भी यदि तेजस नहीं हुआ तो क्या विश्वसनीयता? ऐसे में क्या पारदर्शी जांच, कमियों पर विचार, सुधार की चिंता की बहस नहीं होनी चाहिए थी? निश्चित ही एयर शो में हादसा नई बात नहीं है। पहले भी रूसी, चीनी विमान दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं। लेकिन रूस, चीन ने अपनी गलतियों, कमियों को समझते हुए उत्पाद सुधारे हैं, वही भारतीय कंपनी का सपाट जवाब है कि, हमारा उत्पादन समग्र रूप से विश्वसनीय है, और जो हुआ है वह अपवाद है!

ध्यान रहे तेजस प्रोजेक्ट चालीस साल पुराना है। रूसी मिग 21 की जगह इसके वायु सेना में बेड़े बनने थे। लेकिन हकीकत है कि प्रोजेक्ट कायदे से सिरे ही नहीं चढ़ा। तभी भारतीय वायु सेना में अब सिर्फ 29 स्क्वाड्रन रह गई है, जबकि 42 स्क्वाड्रन की संख्या होनी ही चाहिए। लेकिन विमान हैं ही नहीं। रक्षा मंत्रालय ने तेजस एमके-1ए के 180 विमानों का ऑर्डर दिया हुआ है। पर विदेशी जीई इंजन की सप्लाई में देरी, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स के नौकरशाही ढर्रे और तकनीकी बाधाओं का न कांग्रेस सरकारों के समय समाधान निकला और न मोदी सरकार में है। जबकि चीन और पाकिस्तान (चीन की सप्लाई से) के वायु बेड़ों में कमी नहीं है।

दरअसल भारत की सैन्य तैयारियों में न तो समय पर काम होता है और न कोई पारदर्शिता व जवाबदेही है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स, डीआरडीओ हो या रक्षा मंत्रालय की खरीद के फैसले, प्रोजेक्ट लटके रहते हैं। दुबई शो में क्रैश के गंभीर मायने इसलिए हैं क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर के बाद बने वैश्विक नैरेटिव, डोनाल्ड ट्रंप के विमानों के गिरने वाले बयानों के सिलसिले में तेजस का क्रैश सैन्य साख का भी क्रैश है।

सोचें, तेजस क्रैश के बाद इज़राइली अखबार ने यह बताया है कि तेजस को खरीदने में आर्मेनिया की दिलचस्पी थी पर अब वह खत्म है। उधर वैश्विक सामरिक मीडिया में चीन और पाकिस्तान जेएफ-17 (चीन निर्मित) लड़ाकू विमान के युद्ध में परखे हुए होने की चर्चा है। दुबई के एयर शो में तेजस का प्रदर्शन खाड़ी के देशों, अफ्रीकी, लातिनी अमेरिकी देशों व मलेशिया आदि को लुभाने या ग्राहक तलाशने के लिए था। पर कोई देश तब खरीदता है जब विक्रेता से सुरक्षा, विश्वसनीयता, आफ्टर सेल सपोर्ट का भरोसा हो और क्रैश इतिहास लगभग शून्य हो। तभी तेजस, यानी भारत के सबसे पुराने स्वदेशी लड़ाकू विमान को लेकर अब दुनिया की राय अहम हो गई है। हिंदुस्तान एयरोस्पेस का पुराना रिकॉर्ड खुलता हुआ होगा।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने बॉम्बे जिमखाना की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक स्मारक डाक टिकट का अनावरण किया।

पीआईबी।

डाक विभाग ने बॉम्बे जिमखाना की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक स्मारक डाक टिकट जारी किया है , जो खेल उत्कृष्टता की इसकी गौरवशाली विरासत और राष्ट्र के लिए इसके स्थायी सांस्कृतिक योगदान का जश्न मना रहा है।

इस स्मारक डाक टिकट को मुंबई के बॉम्बे जिमखाना में केंद्रीय संचार एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया द्वारा औपचारिक रूप से जारी किया गया । इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्री मिलिंद देवरा , बॉम्बे जिमखाना के अध्यक्ष श्री संजीव सरन मेहरा , नवी मुंबई क्षेत्र की पोस्टमास्टर जनरल सुश्री सुचिता जोशी और अन्य विशिष्ट अतिथियों एवं बॉम्बे जिमखाना के सदस्यों की उपस्थिति रही।

बॉम्बे जिमखाना की 150 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में स्मारक डाक टिकट का विमोचन।

इस अवसर पर श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने आशा व्यक्त की कि यह स्मारक डाक टिकट हर व्यक्ति की हथेली में एक संदेशवाहक की तरह काम करेगा, जो एक लिफाफे से दूसरे लिफाफे और एक हाथ से दूसरे हाथ तक यात्रा करेगा। उन्होंने कहा कि खेल की ही तरह, यह डाक टिकट भी कहानियों और मूल्यों को समेटे हुए है, जो युवा लड़के-लड़कियों को खेल अपनाने, सक्रिय रहने और जीवन को सकारात्मक रूप से आकार देने में संस्थानों की शक्ति पर विश्वास करने के लिए प्रेरित करता है।

श्री सिंधिया ने इंडिया पोस्ट और बॉम्बे जिमखाना क्लब के बीच तुलना करते हुए कहा कि दोनों ही संस्थाएं भावनाओं को व्यक्त करने, लोगों को जोड़ने और पीढ़ियों के बीच सेतु बनाने पर आधारित हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदृष्टि और अटूट समर्थन से डाक विभाग में एक क्रांतिकारी बदलाव हो रहा है–अपनी पुरानी प्रणालियों को नया रूप दे रहा है, अपनी सेवाओं का विस्तार कर रहा है और अगले पांच वर्षों में विश्व का सबसे बड़ा और सबसे समावेशी लॉजिस्टिक्स संगठन बनने की दिशा में अग्रसर है।

सन् 1875 में स्थापित बॉम्बे जिमखाना भारत की खेल और सामाजिक विरासत का एक विशिष्ट स्तंभ रहा है, जिसने पीढ़ियों से खिलाड़ियों का पोषण किया है और साथ ही सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों के लिए एक जीवंत केंद्र के रूप में कार्य किया है। 150 वर्ष के दौरान, इस संस्था ने खेल भावना, सौहार्द और सामुदायिक जुड़ाव की प्रबल भावना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बॉम्बे जिमखाना की 150 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में जारी स्मारक डाक टिकट

यह स्मारक डाक टिकट बॉम्बे जिमखाना के प्रतिष्ठित परिसर और मैदानों को खूबसूरती से दर्शाता है , जो इसकी चिरस्थायी विरासत और भारत के खेल परिदृश्य में इसके योगदान का प्रतीक है।

इस विशेष अंक के माध्यम से, डाक विभाग संस्था की 150 साल की यात्रा का सम्मान करता है और डाक टिकट संग्रह के माध्यम से भारत की समृद्ध खेल उपलब्धियों को संरक्षित करने और प्रदर्शित करने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

यह स्मारक डाक टिकट डाक टिकट कार्यालयों के माध्यम से और ऑनलाइन www.epostoffice.gov.in पर उपलब्ध होगा।

नई चेतना महज एक योजना नहीं, बल्कि एक जन आंदोलन है : डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर

महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान भारत की वृद्धि और मजबूती का मूल हैं:

ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी ने गुंटूर में राज्य स्तरीय 'नयी चेतना 4.0' का शुभारंभ किया; लैंगिक संसाधन केंद्र का उद्घाटन किया

पीआईबी

ग्रामीण विकास और संचार राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर ने लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक कार्रवाई का आह्वान किया और सभी हितधारकों से ÷एक आवाज, एक संकल्प, समानता के लिए एक नई शुरुआत÷ के संकल्प के साथ आगे बढ़ने का आग्रह किया। राज्य स्तरीय 'नयी चेतना 4.0' के शुभारंभ के अवसर पर जनसभा को संबोधित करते हुए . डॉ पेम्मासानी ने इस पहल को लिंग आधारित हिंसा के विरुद्ध एक शक्तिशाली जन आंदोलन कहा और हिंसा के सभी रूपों को समाप्त करने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी का आह्वान किया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, डॉ पेम्मासानी ने गुंटूर में लैंगिक संसाधन केंद्र (जीआरसी) का उद्घाटन किया। जीआरसी महिलाओं के लिए एक सर्व-समावेशी सहायता प्रणाली के रूप में कार्य करेगा जो जमीनी स्तर पर समय पर सहायता, सुरक्षा और न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए परामर्श, कानूनी सहायता, विशेषज्ञ सलाह और आजीविका संपर्क प्रदान करेगा।

गुंटूर में आंध्र प्रदेश की नारी शक्ति को संबोधित करते हुए, उन्होंने एक ऐसे बदलते ग्रामीण भारत के निर्माण के लक्ष्य का उल्लेख किया जहां प्रत्येक महिला सुरक्षित हो, गरिमापूर्ण जीवन जी सके और आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो। उन्होंने महिला सशक्तिकरण को समावेशी और टिकाऊ विकास की आधारशिला बताया।

डॉ पेम्मासानी ने इस बात पर बल दिया कि महिलाओं को सशक्त बनाना सामाजिक प्रगति को गति देता है और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना राष्ट्र को मजबूत बनाता है। उन्होंने दोहराया कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान भारत के विकास और लचीलेपन के लिए मूलभूत हैं। डॉ. चंद्र शेखर ने कहा कि डे-एनआरएलएम के अंतर्गत नई चेतना महिला समूहों को मजबूत कर रही है, लिंग आधारित हिंसा के प्रति शून्य सहिष्णुता को बढ़ावा दे रही है, पुरुषों और लड़कों की भागीदारी को प्रोत्साहित कर रही है और महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता को आगे बढ़ा रही है।

केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरीराज सिंह ने 'क्राफ्टेड फॉर द फ्यूचर' का उद्घाटन किया और भारत की समृद्ध शिल्प परंपराओं और उनके सतत, समकालीन जीवन में प्रासंगिकता पर जोर दिया

पीआईबी

केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरीराज सिंह ने आज नई दिल्ली के राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय में ÷क्राफ्टेड फॉर द फ्यूचर÷ प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। वस्त्र मंत्रालय के हस्तकला विभाग के विकास आयुक्त कार्यालय द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी में भारत की समृद्ध शिल्प परंपराओं और उनके सतत, समकालीन जीवन से प्रासंगिकता को रेखांकित किया गया है। इस उद्घाटन समारोह में वस्त्र मंत्रालय की डीसी हैंडीक्राफ्ट्स सुश्री अमृत राज, संयुक्त राष्ट्र रेसिडेंट कोऑर्डिनेटर कार्यालय, भारत की चीफऑफस्टाफसुश्री राधिका कौल बत्रा, पर्यावरणीय पुनर्स्थापक सुश्री पद्मावती द्विवेदी तथा गिव मी ट्रीज ट्रस्ट के संस्थापक स्वामी प्रेम परिवर्तन (पीपल बाबा) उपस्थित थे। प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए श्री गिरीराज सिंह ने कहा कि आज का युवा पारंपरिक शिल्प को समझ रहा है और वैश्विक दर्शकों के लिए प्रासंगिक समकालीन उत्पाद प्रस्तुत कर रहा है। श्री गिरीराज सिंह ने कहा कि कारीगरों को सुगमता प्रदान करने और भारत के विभिन्न शिल्पों को विश्व तक पहुंचाने के लिए सभी उपाय किए जा रहे हैं।

'क्राफ्टेड फॉर द फ्यूचर', की यह 10 दिवसीय प्रदर्शनी राष्ट्रीय हस्तशिल्प सप्ताह का हिस्सा है। 21 दिसंबर 2025 तक यह जनता के लिए खुली रहेगी, जिसमें सभी आगंतुकों के लिए निःशुल्क प्रवेश होगा। 'क्राफ्टेड फॉर द फ्यूचर', व्यापक 'वीव द फ्यूचर' श्रृंखला का तीसरा संस्करण है, जो दैनिक भौतिक संस्कृति पर जोर देता है–खासकर समुदायों और उनके पर्यावरण और दैनिक जीवन को आकार देने वाली सामग्रियों के बीच अंतर्निहित संबंध पर। पूरे भारत से कारीगरों और सामग्री नवप्रवर्तकों पर प्रकाश डालकर, यह पहल पारिस्थितिक संतुलन, क्षेत्रीय पहचान और गहन सामग्री बुद्धिमत्ता पर आधारित प्रथाओं को भी प्रदर्शित करती है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वस्त्र मंत्रालय की हस्तकला विभाग की विकास आयुक्त सुश्री अमृत राज ने कहा कि भारत की शिल्प बुद्धिमत्ता को जीवित रखना स्मृति को संरक्षित करने के बारे में नहीं है, बल्कि शिल्प को एक जीवंत, सांस लेने वाली शक्ति के रूप में पहचानना है जो हमारे कल को आकार दे रही है।

'क्राफ्टेड फॉर द फ्यूचर' प्रदर्शनी के दर्शक भारत की भौतिक संस्कृतियों की उत्पत्ति, प्रक्रियाओं और समकालीन संभावनाओं में डुबोने के लिए डिज़ाइन किए गए विभिन्न कार्यक्रमों का अनुभव कर सकते हैं। इस प्रदर्शनी में शामिल हैं–

ऐसे मोहक संस्थापन जिसमे रोज रोज की भौतिक सामग्रियों की झलक दिखाई पड़ती है।

विशेष रूप से निर्मित हस्तशिल्प की वस्तुओं का बाजार जहाँ स्थानीय, शिल्पी कारीगर अपनी स्थानीय पुनर्चक्रीय सामग्रियों के साथ अपनी कलाकृति निर्मित की हुई हो ।

सामग्री की उत्पत्ति और शिल्प प्रक्रियाओं पर दैनिक फिल्म स्क्रीनिंग, प्रदर्शन तथा संवाद।

मिट्टी के बर्तन, कढ़ाई, ऊन, बांस, प्राकृतिक रंग, खाद्य परंपराओं आदि में कारीगरों, डिजाइनरों तथा अभ्यासकर्ताओं द्वारा संचालित हैंड्स-ऑन वर्कशॉप (वर्कशॉप के लिए पंजीकरण आवश्यक)।

यह आयोजन कला निर्माण सामग्री की उत्पत्ति और शिल्प-नेतृत्व वाले पारिस्थितिक ज्ञान तंत्रों के साथ जनता की भागीदारी बढे इस बात को प्रोत्साहित करता है। साथ ही कलाकृति की पारिस्थितिकी तंत्र जनित ज्ञान प्रणाली को पूरी गहराई से यह लोगो को अवगत कराता है की कैसे निर्माण सामग्री और कारीगरों से एक चेतनशील और सतत संबंधों के माध्यम से सतत भविष्य को आकार देने की गहरी समझ विकसित हो।

तीसरा दिन भी ग्रीन आर्मी का जोश बरकरार — महाराजबंध तालाब से हटाए गए 25+ दुर्गा और गणेश की झांकियों के अवशेष।

(डिप्टी कमिश्नर पांडेय जी की मौजूदगी से अभियान को मिला नया सहयोग)

रायपुर। संवाददाता

शहर की ऐतिहासिक धरोहर महाराजबंध तालाब में ग्रीन आर्मी छत्तीसगढ़ का स्वच्छता अभियान तीसरे दिन भी पूरे जोश और ऊर्जा के साथ जारी रहा। सुबह 7:30 बजे से ही सदस्य भारी संख्या में तालाब परिसर पहुँचे और श्रमदान के तहत तालाब में जमा प्लास्टिक, पॉलीथिन, जलकुंभी तथा विसर्जन सामग्री को बाहर निकाला। आज भी कई झांकियों के ढांचे और भारी मात्रा में कचरा तालाब से हटाया गया।

अभियान में दिशा कॉलेज के छात्रङ्कछात्राओं की निरंतर उपस्थिति विशेष रूप से सराहनीय रही। युवा वर्ग का यह लगातार सहयोग अभियान में नई ऊर्जा भर रहा है और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रेरणादायक उदाहरण बन रहा है। ग्रीन आर्मी द्वारा रोज़ पंपलेट वितरित किए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक नागरिक अभियान से जुड़ें। मंदिर परिसर में लगे माइक से श्रद्धालुओं और राहगीरों को पर्यावरण और स्वच्छता के महत्व के बारे में जानकारी दी जा रही है, जबकि आसपास के निवासियों के घरों में जाकर भी उन्हें तालाब संरक्षण में सहयोग देने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। अभियान को देखते हुए नगर निगम के डिप्टी कमिश्नर श्री पांडेय जी स्वयं स्थल पर पहुँचे और अपनी टीम के साथ सफाई कार्य में सहयोग दिया। उनकी पहल पर घाटों से छ्व्रक्क मशीन द्वारा भी मलबा निकाला गया। उन्होंने ग्रीन आर्मी की जनता को साथ लेकर चलने की इस पहल की सराहना करते हुए निगम की ओर से हर संभव सहयोग का भरोसा दिया। अभियान में शामिल महिलाओं की उत्साही भागीदारी ने मुहिम को अत्यंत मजबूत बनाया। सुबहङ्कसुबह बड़ी संख्या में महिलाओं का तालाब पहुँचकर श्रमदान करना समाज के लिए प्रेरणादायक संदेश बन गया है।

प्रदेश अध्यक्ष श्री अमिताभ दुबे ने कहा— ÷ग्रीन आर्मी का यह अभियान केवल सफाई नहीं, बल्कि पर्यावरण बचाने का संकल्प है। हम तालाब को उसकी मूल सुंदरता तक वापस ले जाएंगे और इसकी जानकारी पार्षद से लेकर मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री तक पहुँचाई जाएगी।÷

रायपुर जिला अध्यक्ष श्री गुरदीप टुटेजा ने कहा– ÷महाराजबंध तालाब हमारी पहचान है। इसे बचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। जितना अधिक जन-सहयोग मिलेगा, उतना जल्दी तालाब अपनी पुरानी चमक में लौटेगा।÷

ग्रीन आर्मी ने नागरिकों, युवाओं, महिलाओं, संस्थाओं और समाजसेवी संगठनों से अपील की है कि वे इस ऐतिहासिक तालाब को बचाने की मुहिम से जुड़ें और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ पर्यावरण का निर्माण करें।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने आरडीआई फंड आउटरीच कार्यक्रम के दौरान दिल्ली के उद्योग जगत के दिग्गजों, उद्यमियों और नवप्रवर्तकों के साथ बातचीत

लाख करोड़ रुपये के अनुसंधान, विकास, नवाचार (आरडीआई) फंड को निजी क्षेत्र के नेतृत्व वाले नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक परिवर्तनकारी उत्प्रेरक बताया;

सरकार उद्योग को भारत के गहन तकनीकी विकास में तेजी लाने और नेतृत्व करने में सक्षम बना रही है: डॉ. जितेंद्र सिंह

पीआईबी

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज 1 लाख करोड़ रुपये के अनुसंधान, विकास एवं नवाचार (आरडीआई) कोष को एक ऐतिहासिक उत्प्रेरक बताया, जिसका उद्देश्य भारत के निजी क्षेत्र को अग्रणी प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान एवं विकास, बौद्धिक संपदा सृजन और व्यावसायीकरण की अगली लहर को आगे बढ़ाने के लिए सशक्त बनाना है। नई दिल्ली में आरडीआई फंड आउटरीच कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री महोदय ने कहा कि यह पहल अपनी तरह का पहला वैश्विक मॉडल है जहां सरकार दीर्घकालिक, असुरक्षित, कम ब्याज वाले ऋणों और इक्विटी-आधारित साधनों के माध्यम से निजी क्षेत्र के नवाचार को वित्तीय रूप से सक्षम बनाने के लिए आगे आती है, जो भारतीय उद्योग में अभूतपूर्व विश्वास और विश्वास का संकेत देती है।

मंत्री महोदय ने कहा, ÷यह दान या परोपकार नहीं है, बल्कि यह निजी क्षेत्र को समर्थन देने और डीप-टेक में भारत के सामूहिक उत्थान को गति देने के लिए एक उत्प्रेरक है।÷

डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस बात पर प्रकाश डाला कि विश्व भर में, नासा जैसे प्रमुख नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र मजबूत सरकारी समर्थन पर निर्भर रहे हैं। भारत अब इसी तरह की रणनीति अपना रहा है, जिसके तहत निजी उद्योग को महत्वाकांक्षी, उच्च जोखिम वाले अनुसंधान करने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनने के लिए तैयार किया जा रहा है। उदाहरण देते हुए मंत्री महोदय ने कहा कि आरडीआई फंड ÷रुके हुए इंजन को चालू करने के लिए शुरुआती धक्के÷ की तरह काम करता है, जिसके बाद निजी क्षेत्र से जिम्मेदारी संभालने, विस्तार करने और राष्ट्रीय प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देने की उम्मीद की जाती है। उन्होंने आगे कहा कि यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साहसिक सुधारों को दर्शाती है, जिन्होंने अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा और उन्नत प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों को अभूतपूर्व गति से निजी भागीदारी के लिए खोल दिया है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने आरडीआई फंड की वित्तीय व्यवस्था की विशिष्टता पर जोर देते हुए इसे निजी क्षेत्र के नवाचार के लिए सार्वजनिक वित्तपोषण में वैश्विक स्तर पर पहली पहल बताया। उन्होंने बताया कि यह फंड बिना कुछ गिरवी रखे या गारंटी के गैर प्रतिभूति वाले ऋण 3 प्रतिशत से भी कम ब्याज दर पर प्रदान करता है, ऐसा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कभी नही हुआ है।

मंत्री ने परियोजना लागत-साझाकरण तंत्र को बेहद आसान बनाने पर जोर दिया, जो उद्योग को बाहरी साझेदारों, निवेशकों और परोपकारी संस्थाओं से संसाधन जुटाने में सक्षम बनाता है। उन्होंने कहा कि यह ढांचा भारत के नवप्रवर्तकों में सरकार के साहस, दृढ़ विश्वास और गहरे विश्वास को प्रदर्शित करता है और नवाचार मूल्य श्रृंखला को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत करेगा, जिससे खोज और विकास से लेकर बड़े पैमाने पर तैनाती तक की यात्रा को सुगम बनाया जा सकेगा।

सद्गुरु स्वामी श्री कृष्णानंद जी महाराज का भव्य आगमन 5

जनवरी को मुड़पार सुरगी मे, शोभायात्रा व सत्संग का आयोजन

राजनांदगांव। ग्राम मुड़पार (सुरगी) में हिमाचल के सिद्ध योगी, समय के सद्गुरु एवं सनातन परंपरा के महान संत सद्गुरु स्वामी श्री कृष्णानंद जी महाराज का भव्य आगमन सोमवार 5 जनवरी 2026 को होने जा रहा है। इस पावन अवसर पर क्षेत्र में आध्यात्मिक उल्लास और भक्तिमय वातावरण निर्मित होगा। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 10 बजे आदर्श ग्राम सुरगी से ग्राम मुड़पार तक निकलने वाली भव्य शोभायात्रा से होगी। शोभायात्रा में संतों, साधकों एवं श्रद्धालुओं की उपस्थिति के साथ भजन-कीर्तन और जयघोष के बीच गुरुजी का स्वागत किया जाएगा। इसके पश्चात दोपहर 12 बजे से सत्संग स्थल ग्राम मुड़पार में गुरुजी के अमृत आशीर्वचन एवं भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। आध्यात्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत 6 जनवरी को हवन यज्ञ, 7 जनवरी 2026 को भी विशेष आयोजन किया गया है। इस दिन प्रातः 9 बजे से सत्संग एवं प्रार्थना होगी, वहीं दोपहर 2 बजे से ब्रह्मा दीक्षा का पावन कार्यक्रम संपन्न होगा। ब्रह्मा दीक्षा सद्गुरु स्वामी श्री कृष्णानंद जी महाराज के पावन मुखारविंद से प्रदान की जाएगी, जिससे साधकों को आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्राप्त होगा। इस संपूर्ण आयोजन का संचालन विनीत सद्गुरु विप्र समाज सेवा एवं सतगुरु कबीर सेना सुरगी क्षेत्र के तत्वावधान में, समस्त ग्रामवासी मुड़पार (सुरगी) के सहयोग से किया जा रहा है। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने एवं गुरुजी के सान्निध्य का लाभ लेने की अपील की है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

भारतीय कला और संस्कृति पर रंगोली से सजा केशरी परिसर

संवाददाता

जांजगीर चांपा/ केशरी शिक्षण समिति, खोखरा जांजगीर बी एड महाविद्यालय में भारतीय कला और संस्कृति थीम पर रंगोली प्रतियोगिता का भव्य आयोजन केशरी शिक्षण समिति के संचालक डॉक्टर सुरेश यादव के मार्गदर्शन में हुआ। उन्होंने संदेश दिया कि भारत की पहचान उसकी विविध कला, परंपराएँ और संस्कृति में बसती है। विद्यार्थी जब अपने हाथों से इन्हें रंगों में ढालते हैं, तो वे अपनी जड़ों से और गहरा संबंध महसूस करते हैं। उनके संदेश ने छात्रों में ऊर्जा, उत्साह और देशप्रेम की भावना को प्रबल किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. रेखा तिवारी ने की। उन्होंने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि शिक्षा तभी सार्थक है जब वह संस्कारों और संस्कृति को संरक्षित रखने की जिम्मेदारी भी सिखाए। उन्होंने विद्यार्थियों को भारतीय कला-विरासत को सहेजकर आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

प्रतियोगिता में बी.एड प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी प्रतिभागियों की रंगोलियाँ अत्यंत सराहनीय रहीं। किसी ने वारली, मधुबनी और गोंड कला के माध्यम से लोककला को जीवंत किया, तो किसी ने भारत की नृत्य-परंपराएँ, त्योहार, धार्मिक स्थलों और ऐतिहासिक धरोहरों को रंगों की बुनावट में सजाया। तिरंगे की शोभा व लोककथाओं के भाव भी अनेक डिजाइनों में दिखाई दिए, जिससे पूरा परिसर भारतीयता के रंग में रंग उठा।

कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती स्वाति कश्यप (प्रभारी), श्री जितेंद्र तिवारी, श्रीमती आशा तिवारी तथा सुश्री राखी पांडेय का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। प्रभारी के रूप में श्रीमती स्वाति कश्यप ने संपूर्ण आयोजन का कुशलतापूर्वक संचालन किया। वहीं अन्य शिक्षकों ने भी

कला-संस्कृति के महत्व पर विद्यार्थियों को निरंतर प्रोत्साहित करते हुए उनके उत्साह को बढ़ाया। विद्यालय सदैव भारतीय संस्कृति के संरक्षण, सम्मान और प्रसार के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित करता रहा है–और यह आयोजन उसी दिशा में सार्थक प्रयास रहा।

निर्णायक मंडल ने उपस्थित रंगोलियों का मौलिकता, रंग-संतुलन और विषय-प्रस्तुति के आधार पर मूल्यांकन किया। प्रत्येक रंगोली भारतीय संस्कृति की गौरवशाली पहचान को दर्शाती एक अद्वितीय कृति थी, जिसने सभी के हृदय को छू लिया।

आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति के प्रति गर्व, सृजनशीलता और सामाजिक सहभागिता के भाव को विकसित करना था। समापन अवसर पर प्राचार्या डॉ. रेखा तिवारी ने विश्वास व्यक्त किया कि युवा पीढ़ी भविष्य में हमारी सांस्कृतिक विरासत को और अधिक चमकदार स्वरूप में विश्व पटल पर स्थापित करेगी। रंगों से सजा भव्य केशरी परिसर, छात्रों की मुस्कान और दिलों में उमड़ता भारतीय गौरव–यही इस प्रेरणादायी आयोजन की सबसे बड़ी उपलब्धि रही। यह दिन स्मृतियों में सदैव संजोया जाएगा।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा 22 को जांजगीर मे

तैयारी के लिए जुटे रहे पार्टी व प्रशासन की टीम

जांजगीर चांपा / भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री जगतप्रकाश नड्डा का जांजगीर आगमन आगामी 22 दिसंबर को छग की भाजपा सरकार के सफलतापूर्वक दो वर्ष पुरे होने पर पुलिस ग्राउंड जांजगीर हेलीपेड खोखरा हो रहा है । जहा वे हजारो की संख्या मे उपस्थित छग की विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे । कार्यक्रम मे प्रदेश भाजपा के सभी बड़े नेता भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मंत्रीगण सांसद विधायक प्रदेश संभाग व जिला संगठन के सभी प्रभारी पदाधिकारीगण व भाजपा कार्यकर्त्ता उपस्थित रहेंगे । इस तैयारी हेतु आज जिला प्रशासन की टीम खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह वरिष्ठ , भाजपा नेता नारायण चंदेल , जिलाध्यक्ष अंबेश जांगड़े जिला उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल , समीर शुक्ला , कोषाध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह ,वीआई टी सेल के जिला संयोजक अनिल शर्मा , सोशल मीडिया के जिला संयोजक गौरव तिवारी की उपस्थिति मे हेलीपेड जाकर राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन की तैयारी को लेकर स्थिती का जायजा लिया । जिला प्रशासन की ओर से जिला कलेक्टर , पुलिस अधीक्षक ,वीजिला पंचायत के सीईओ व प्रशासन की पुरी टीम उपस्थित रही । जिला भाजपा संगठन अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत की तैयारी व आगमन को लेकर भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष अंबेश जांगड़े ने कल शाम रविवार को चार बजे भाजपा कार्यालय जांजगीर मे कार्यकर्ताओ की आवश्यक बैठक बुलाई है ।

मनरेगा से बदली जिंदगी : हितग्राही को मिला सुरक्षित मवेशी आश्रयस्थल

पशुपालन को मिली मजबूतीः साजापाली में मनरेगा से बना हितग्राही हेमलाल का मवेशी शेड

जांजगीर-चांपा / महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत जनपद पंचायत अकलतरा के ग्राम साजापाली अंतर्गत हितग्राही श्री हेमलाल निर्मलकर के लिए मवेशी आश्रयस्थल निर्माण कार्य स्वीकृत कर पूर्ण किया गया।

गांव में कृषि एवं पशुपालन प्रमुख आजीविका होने से हितग्राही के मवेशी बरसात के मौसम में खुले एवं कीचड़युक्त स्थान पर बंधे रहते थे, जिससे उन्हें बीमारियों, चोटों और असुरक्षित वातावरण का सामना करना पड़ता था। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए ग्राम पंचायत द्वारा हितग्राही मूलक कार्य के रूप में मवेशी आश्रयस्थल निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई। कार्य का प्रशासनिक स्वीकृति राशि 0.575 लाख थी, जिसमें मजदूरी एवं सामग्री मद से कुल 0.43 लाख व्यय किया गया। कार्य 17 मार्च 2024 को प्रारंभ होकर 29 जुलाई 2025 को पूर्ण हुआ, जिसमें कुल 39 मानव दिवस सृजित हुए तथा 06 श्रमिक परिवारों को मनरेगा के माध्यम से रोजगार प्राप्त हुआ, जिसके अंतर्गत 9,399 रुपये का मजदूरी भुगतान किया गया। निर्माण के दौरान स्थल चयन, समतलीकरण तथा बरसाती जल निकासी जैसी चुनौतियाँ सामने आईं, जिनका समाधान तकनीकी दल एवं पंचायत के संयुक्त प्रयासों से किया गया। कार्य के पूर्ण होने के पश्चात हितग्राही के मवेशी सुरक्षित, स्वच्छ एवं व्यवस्थित स्थान पर रखने की सुविधा प्राप्त हुई, जिससे बीमारियों में कमी, चारे की बचत और पशुपालन की उत्पादकता में वृद्धि जैसे लाभ दिखाई दिए। पहले जहाँ मवेशी खुले में कीचड़ और पानी के बीच बंधे रहते थे, वहीं अब स्थायी आश्रयस्थल बनने से उनका रख-रखाव सुगम हो गया है और हितग्राही की आजीविका अधिक स्थिर हुई है। हितग्राही श्री हेमलाल का कहना है कि मवेशी आश्रयस्थल बनने से उनके मवेशियों को बरसात और सर्दी से सुरक्षा मिली है तथा बीमारियों का खतरा कम हुआ है, जिससे उनका आर्थिक भार कम हुआ है। ग्राम पंचायत के सरपंच ने बताया कि पंचायत किसानों व पशुपालकों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए ऐसे हितग्राही मूलक कार्यों को बढ़ावा दे रही है। वहीं रोजगार सहायक और तकनीकी सहायक ने कहा कि कार्य का क्रियान्वयन नियमानुसार कर हितग्राही को सभी प्रक्रियाओं की जानकारी देकर समय पर निर्माण पूर्ण कराया गया। हितग्राही की आजीविका मुख्यतः मवेशी पालन एवं कृषि मजदूरी पर आधारित है। इस आश्रयस्थल निर्माण से उनके मवेशियों की सुरक्षा और देखभाल में सुधार हुआ है, जिससे भविष्य में उनकी आमदनी में वृद्धि की संभावना भी बनी है। मनरेगा योजना के माध्यम से निर्मित यह संपत्ति न केवल हितग्राही के लिए उपयोगी सिद्ध हुई है, बल्कि ग्राम में पशुपालन गतिविधियों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई है।

डॉ चरण दास महंत के जन्मदिवस पर किया गया कंबल वितरण किया

जांजगीर चांपा / छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री के 13 दिसंबर को जन्म दिवस के अवसर पर उनके मंशानुरूप जिसमें उन्होंने अपील की थी कि मेरे पारिवारिक एवं मित्रों के अचानक देवलोक गमन हो जाने से मन उदास है । मुझसे मिलकर शुभकामनाएं देने के बजाय जरूरतमंदों को मदद कर दी जाए या एक पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण करने की कोशिश करें और वहीं से सभी के खुशी के लिए ईश्वर से प्रार्थना करें । उनके इसी भावना के अनुरूप शहर के कांग्रेसी नेताओं ने बिसाहू दास महंत शासकीय चिकित्सालय में मरीजों एवं उनके परिजनों को ठंड के मौसम में जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता पूर्व पार्षद नागेंद्र गुप्ता के सौजन्य से शहर कांग्रेस द्वारा कंबल का वितरण किया गया एवं डॉ महंत को शुभकामनाएं प्रेषित किया गया । इस अवसर पर कार्य.ब्लॉक अध्यक्ष सुनील साधवानी, जिला प्रवक्ता नागेंद्र गुप्ता, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जय थवाईत, बरिष्ठ कांग्रेस सेवादल कार्यकर्त्ता विष्णु गाड़ा, पूर्व आयोग सदस्य विष्णु विश्वकर्मा, चाम्पा ब्लॉक के मंडल अध्यक्ष अनिल मोदी, राज सरोज, जिला उपाध्यक्ष उमेश तिवारी, किशन सोनी,नेता प्रतिपक्ष हरीश पांडेय, पार्षद ललित देवांगन,तमिन्द्र देवांगन, पवन साहू, पुरषोत्तम देवांगन, पवन आर्य, गिरधर देवांगन, राजेश्वर मिश्रा, श्रीमती रामबाई स्वर्णकार, पूर्व पार्षद डुग्गु प्रधान,गोविन्द देवांगन, अनिता प्रकाश, गोविंदा वैष्णव, इकबाल अंसारी, जफ्फर अंसारी, राकेश जोशी, परदेशी केंवट सहित कांग्रेसजन उपस्थित रहे ।

कोरबा) निर्वाचक नामावली विशेष गहन पुनरीक्षण हेतु संशोधित कार्यक्रम जारी

कोरबा । भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा जारी निर्देश के अनुपालन में छत्तीसगढ़ राज्य के लिए अर्हता तिथि 01.01.2026 के संदर्भ में चल रहे निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण का संशोधित कार्यक्रम जारी किया गया है। आयोग के निर्देशों की छायाप्रति पत्र के साथ संलग्न कर संबंधित कार्यालयों को प्रेषित की गई है।

संशोधित कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन दिनांक 23 दिसंबर 2025 (मंगलवार) को किया जाएगा। इसके पश्चात दावों एवं आपत्तियों के निराकरण की प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद 21 फरवरी 2026 (शनिवार) को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अजीत वसंत द्वारा निर्देशित किया गया है कि आयोग द्वारा जारी दिशानिर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए एवं समस्त कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर संपादित किए जाएँ।

हनुमान मंदिर में दो ताले तोड़कर आभूषणों व अन्य सामानों की चोरी

कोरबा अज्ञात चोर ने हनुमान जी के मंदिर में घुसकर उनके आभूषणों व अन्य सामानों की चोरी कर ली।

प्रार्थी बाबूलाल श्रीवास निवासी कुम्हार मोहल्ला सीतामणी ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराया है। उसके घर के बाजू में हनुमान जी का मंदिर है जिसमें रोज सुबह-शाम आरती व पूजा-पाठ होता है।

साल की अंतिम लोक अदालत का हुआ आयोजन

जांजगीर चांपा / आज दिनांक 13 दिसंबर 2025 को इस वर्ष का अंतिम लोक अदालत का आयोजन हुआ । जिला न्यायालय परिषर जांजगीर में परिवार न्यायालय में पीठासीन अधिकारी न्यायाधीश संघ रत्ना भतपहरी जी के न्यायालय में 12 परिवार को राजीनामा कर नए जीवन शुरू करने हेतु समझाइस देकर मिलाप कराया गया और पति पत्नी एक दूसरे को माला पहना कर सहर्ष खुशी खुशी अपने घर गए । विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से अनिल कुमार राठौर अधिवक्ता को न्यायालय का सहयोगी नियुक्त किया गया था जो इन परिवारों को जुड़ने में न्यायालय को सहयोग किया । इस आयोजन में जिला अधिवक्ता संघ के सभी अधिवक्ताओं एवम् न्यायालीन कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा।

जिले के पुलिस जवानों का वार्षिक फायरिंग अभ्यास बलौदा क्षेत्रांतर्गत जर्वे स्थित फायरिंग रेंज में

जांजगीर चांपा/ पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में जिले के पुलिस जवानों का वार्षिक फायरिंग बलौदा क्षेत्रांतर्गत स्थित जर्वे फायरिंग रेंज में फायरिंग अभ्यास दिनांक 12 दिसंबर 2025 से कराया जा रहा है। इस अभ्यास का उद्देश्य पुलिस बल की कार्यकुशलता, निशानेबाजी क्षमता एवं हथियार संचालन में दक्षता को और अधिक मजबूत करना है। फायरिंग अभ्यास के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं जवानों को विभिन्न आधुनिक हथियारों के सुरक्षित एवं प्रभावी उपयोग का प्रशिक्षण दिया गया। अभ्यास में सुरक्षा मानकों का पूर्णतः पालन किया गया तथा वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में फायरिंग अभ्यास कराया जा रहा है। इस अवसर पर रक्षित निरीक्षक द्वारा पुलिस कर्मियों को अनुशासन, सतर्कता एवं निरंतर अभ्यास के महत्व के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम पुलिस बल को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सक्षम बनाते हैं।

बस्तर संभाग में डेयरी व्यवसाय को दिया जा रहा है बढ़ावा

कोण्डागांव और कांकेर जिले में पायलट परियोजना संचालित

दुग्ध उत्पादकों को मिल अनुदान और बैंक ऋण

रायपुर, रोजगार और स्वरोजगार के माध्यम से लोगों की आमदनी बढ़ाने के लिए बस्तर संभाग में डेयरी व्यवसाय को बढ़ावा दिया जा रहा है। एनडीडीबी के माध्यम से कांकेर और कोण्डागांव जिले में पायलट प्रोजेक्ट के तहत संचालित की जा रही। इस योजना में जनजातीय महिलाओं को डेयरी व्यवसाय से जोड़ा जा रहा है। गौरतलब है कि इस योजना का शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 01 जून 2025 को कोण्डागांव जिले के भोंगापाल गांव से इस योजना शुभारंभ किया था।

बस्तर संभाग के कोण्डागांव एवं कांकेर जिले के 125 हितग्राहियों को ऋण एवं अनुदान पर दुधारू पशु प्रदाय के लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 47 महिलाओं के आवेदन पत्र बैंक से ऋण स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसमें से 24 महिलाओं को 36 दुधारू पशु वितरित किया गया है। हितग्राहियों को अच्छे नस्ल की दुधारू गाय प्रदान करने हेतु एनडीडीबी डेयरी सर्विसेस द्वारा साहीवाल नस्ल की गाय (8-10 लीटर दूध प्रतिदिन उत्पादन क्षमता) राजस्थान एवं पंजाब क्षेत्र से चिन्हित कर अनुसूचित जनजाति महिलाओं को वितरण किया जा रहा है। दुग्ध महासंघ द्वारा वर्तमान में बस्तर संभाग अंतर्गत 95 कार्यशील दुग्ध समितियों के 4006 दुग्ध प्रदायकों के माध्यम से 15060 लीटर दूध प्रतिदिन संकलित किया जाकर, लगभग 8000 लीटर दूध प्रतिदिन कांकेर, कोण्डागांव, बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर जिलों में विपणन किया जा रहा है। बस्तर संभाग में सहकारिता को बढ़ावा देने के लिए आगामी 5 वर्षों में 400 नयें ग्रामों को दुग्ध समिति के माध्यम से जोड़ा जायेगा। जिसमें लगभग 9000 दूध प्रदायक जुड़ेंगें एवं 48 हजार लीटर दूध संकलन किया जायेगा। इसके अतिरिक्त 28 हजार लीटर क्षमता के दुग्ध शीतलीकरण केन्द्रों एवं एक 1 लाख लीटर क्षमता का नवीन दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्र की स्थापना बस्तर जिले में किया जायेगा।

खास खबर

शक के चलते पति ने की पत्नी की निर्मम हत्या, आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर, जिले में पति-पत्नी के रिश्ते को शर्मसार करने वाली एक सनसनीखेज हत्या की वारदात सामने आई है। चरित्र पर संदेह के चलते एक पति ने अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया, जिसे पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया है।

वारदात और गिरफ्तारी यह हृदय विदारक घटना कोनी थाना क्षेत्र के लोफंदी गांव की है। जानकारी के अनुसार, बीती रात आरोपी जितेंद्र केवट ने अपनी पत्नी संतोषी केवट पर लोहे के सब्बल से जानलेवा हमला कर दिया। वार इतना घातक था कि गंभीर रूप से घायल महिला की मौके पर ही मौत हो गई।

हत्या का कारणः पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी जितेंद्र केवट को अपनी पत्नी के चरित्र पर शक था। इसी संदेह को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। अपराधः शक की आग में अंधे होकर आरोपी ने गुस्से में आपा खो दिया और अपनी पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। फरार होने की कोशिशः वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी घटनास्थल से भाग निकला और दूसरे राज्य पलायन करने की कोशिश में था।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई

घटना की सूचना मिलते ही कोनी पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू की। पुलिस की सक्रियता के कारण, आरोपी को कुछ ही घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया। फि लहाल आरोपी जितेंद्र केवट को पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है और उससे घटना के संबंध में आगे की पूछताछ की जा रही है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री देवांगन आज करेंगे 01 करोड़ 05 लाख रू. के विकास कार्यो का भूमिपूजन

कोरबा

प्रदेश के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन शुक्रवार 12 दिसंबर कोरबा में 1 करोड़ 5 लाख रूपए के विकास कार्यो का भूमिपूजन करेंगे। मंत्री श्री देवांगन अपरान्ह 3 बजे कोरबा के सीतामणी चैक में नगर-निगम कोरबा के अंतर्गत 6 कार्यो को भूमिपूजन करेंगे इनमें वार्ड क्रमांक 1 अतंर्गत शा.उ.मा.वि. कोरबा के सामने सीसी रोड नाली निर्माण कार्य लागत 10 लाख रूपए, वार्ड क्रमांक अंतर्गत ईदगाह में इंदरा नगर आंगनबाड़ी कलवर्ट तक नाली निर्माण कार्य लागत 30 लाख रूपए, वार्ड क्रमांक 6 अतंर्गत पुरानी बस्ती कोरबा में सर्वमंगला फ्लोर मिल से मंडारीर चैक तक सीसी रोड निर्माण कार्य स्वीकृत 12 लाख रूपए के कार्यो का भूमिपूजन करेंगे। इस मौके पर नगर पालिक निगम कोरबा महापौर संजू देवी राजपूत उपस्थित रहेंगी।

कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन वार्ड क्रमांक 8 के अंतर्गत मोतीसागर पारा नवीन माध्यमिक शाला के सामने सीसी रोड निमाण कार्य लागत 6 लाख रूपए, वार्ड क्रमांक 8 के अंतर्गत मोती सागर बजरंग बली से किराना दुकान तक सीसी रोड निर्माण कार्य एवं नाली मरम्मत लागत 12 लाख रूपए, वार्ड क्रमांक 9 अतंर्गत नवीन हाईस्कूल सीतामणी अहाता निर्माण कार्य लागत 35 लाख रूपए के विकास कार्यो का भूमिपूजन करेंगे।

डोर-टू-डोर अपशिष्ट संग्रहण कार्य में ई-रिक्शों के उपयोग से स्वच्छता दीदियों को होगी श्रम व समय की बचत- उद्योग मंत्री

उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने किया स्वच्छता दीदियों को 80 नग ई-रिक्शों का वितरण, शहर की स्वच्छता में स्वच्छता दीदियों की महती ० भूमिका को किया रेखांकित, दी अपनी शुभकामनाएं

महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय, सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर सहित पार्षदों, जनप्रतिनिधियों की रही गरिमामयी उपस्थिति

कोरबा लोकशक्ति। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि शहर की स्वच्छता में हमारी स्वच्छता दीदियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, अतः हम सबका यह सदैव प्रयास होना चाहिए कि उन्हें उनके कार्य संपादन हेतु आवश्यक सुविधाएं सहज रूप से मुहैया हों, उन्होने कहा कि मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि हमारी स्वच्छता दीदियों को आज 80 नग ई-रिक्शा प्राप्त हो रहे हैं तथा डोर-टू-डोर अपशिष्ट संग्रहण के कार्य में इन ई-रिक्शों के उपयोग से स्वच्छता दीदियों के श्रम व समय की बचत होगी तथा कम परिश्रम व कम समय में वे अपना कार्य पूरा कर सकेंगी।

उक्त बातें उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने नगर पालिक निगम कोरबा की स्वच्छता दीदियों को ई-रिक्शों के वितरण कार्यक्रम में कहीं। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक मजबूती देने की दिशा में ठोस कार्यवाही करते हुए डोर-टू-डोर अपशिष्ट संग्रहण हेतु जिला खनिज न्यास मद से स्वीकृत व 02 करोड़ 84 लाख रूपये की लागत से 80 नग ई-रिक्शा का क्रय किया गया है तथा इन्हें अपने स्वच्छता संसाधन बेडे में शामिल किया जाना हैं। आज उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने इन सभी 80 ई-रिक्शा का वितरण स्वच्छता दीदियों को किया एवं उन्हें अपनी शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के द्वारा की गई, वहीं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में सभापति नूतन सिंह ठाकुर, आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय सहित निगम की मेयर इन काउंसिल के सदस्यगण, पार्षदगण आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही। उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने इस मौके पर दिए गए अपने उद्बोधन में आगे कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश में स्वच्छ भारत मिशन संचालन कर स्वच्छता व साफ-सफाई के महत्व को हम सबके सामने रखा, इससे स्वच्छता के प्रति व्यापक जनजागरूकता आई तथा आमजन स्वच्छता के प्रति जागरूक हुए। उन्होने कहा के देश के करोड़ों परिवारों में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालयों का निर्माण हुआ तथा स्वच्छता के क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव आए। उन्होने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय व नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरूण साव का लगातार मार्गदर्शन कोरबा के विकास के लिए हम सबको प्राप्त हो रहा है, एक ओर जहॉ कोरबा स्वच्छता के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दे रहा है, वहीं यहॉ के विकास की दिशा में व्यापक रूप से कार्य हो रहे हैं। उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने स्वच्छता दीदियों को संबोधित करते हुए आगे कहा कि आपके परिश्रम व कार्यनिष्ठा से कोरबा की स्वच्छता को मजबूत आधार मिल रहा है तथा आपकी बदौलत ही कोरबा देश में स्वच्छता के क्षेत्र में 08वें स्थान पर पहुंचा है, अब आगे बढ़ने की बारी है, स्वच्छ सर्वेक्षण में कोरबा देश में नम्बर 01 पर आए, मैं इस हेतु अपनी शुभकामनाएं देता हूँ।

सिमगा के विद्यार्थियों के जीवन में लौटी शिक्षा की नई उम्मीद

युक्ति युक्तकरण से व्याख्याता और प्राचार्य की नियुक्ति से ग्रामीण पृष्ठभूमि वाले विद्यार्थियों को राह हुई आसान

कोरबा। जिले के दूरस्थ क्षेत्र पोड़ी-उपरोड़ा ब्लॉक के ग्राम पंचायत सिमगा में वर्ष 2014 से संचालित हायर सेकंडरी स्कूल अब शिक्षा का एक मजबूत केंद्र बनकर उभर रहा है। सिमगा, घोसरा और आसपास के लगभग दस किलोमीटर दायरे के गाँवों से विद्यार्थी यहां पढ़ने आते हैं। विद्यालय में कुल 178 विद्यार्थी दर्ज हैं, जिनमें से लगभग सभी अनुसूचित जनजाति वर्ग से आते हैं। यह विद्यालय ग्रामीण और वनांचल क्षेत्र के बच्चों के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। लंबे समय तक विद्यालय में अंग्रेजी और वाणिज्य विषय के व्याख्याता नहीं थे, जिसके कारण विद्यार्थियों को इन विषयों की नियमित कक्षाएँ प्राप्त नहीं हो पाती थीं। इससे उनकी पढ़ाई पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता था। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की दूरदर्शी पहल पर स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा अतिशेष शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण का निर्णय लिया गया। इसी प्रक्रिया के अंतर्गत सिमगा हायर सेकंडरी स्कूल को अंग्रेजी विषय के व्याख्याता के रूप में श्री रमाकांत कुशरो और वाणिज्य विषय की व्याख्याता के रूप में श्रीमती रुकमणी पुरैना की नियुक्ति मिली। इन शिक्षकों के आने के बाद विद्यालय का माहौल सकारात्मक रूप से बदलने लगा और पढ़ाई की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला।

ग्राम सिमगा की सरपंच गायत्री आयाम और ग्राम पंचायत घोंसरा की शाम बाई बिंझवार ने बताया कि नए व्याख्याता आने से स्कूल में पढ़ाई का वातावरण काफी बेहतर हुआ है। विद्यार्थियों में उत्साह दिखाई दे रहा है और उनकी रुचि भी बढ़ी है। कक्षा 10वीं, 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियोंकृलक्ष्मी, साहिल, आशु, सोनिया, दिल कुमार, रमी सिंह, रितेश, जय कुमारी, समिता, याचना और विकासकृने भी कहा कि पहले नियमित शिक्षक न होने के कारण उनकी पढ़ाई बाधित होती थी, लेकिन अब अंग्रेजी और वाणिज्य दोनों विषयों की अच्छी तरह पढ़ाई हो रही है। विद्यालय में वर्षों से नियमित प्राचार्य का अभाव भी था। हाल ही में श्री सतीश प्रकाश सिंह के नियमित प्राचार्य के रूप में पदस्थ होने से विद्यालय में नवाचार की शुरुआत हुई है। उन्होंने पदस्थापन के साथ ही विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने और विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा व रोजगार के प्रति जागरूक करने का अभियान प्रारंभ किया है। प्राचार्य श्री सिंह स्वयं भी विद्यार्थियों को कैरियर मार्गदर्शन दे रहे हैं और विशेषज्ञों को बुलाकर नई दिशा प्रदान कर रहे हैं। उनका कहना है कि तकनीकी युग में ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रेरित और समर्थ बनाना आवश्यक है। सिमगा हायर सेकंडरी स्कूल आज बदलाव की उस यात्रा पर है, जहाँ शिक्षा के माध्यम से बच्चों के भविष्य में नई चमक पैदा हो रही है। नियमित शिक्षकों की उपलब्धता, सक्रिय प्राचार्य और सकारात्मक वातावरण ने इस विद्यालय को दूरस्थ क्षेत्र में भी शिक्षा का मजबूत आधार बना दिया है। अब शिक्षको की उपलब्धता सुनिश्चित होने से विद्यार्थियों के साथ ही उनके पालकों में भी खुशी है।

(बिलासपुर) सनसनीखेज हत्याकांडः बिलासपुर के तखतपुर में पूर्व सरपंच प्रतिनिधि मनबोध यादव की निर्मम हत्या

बिलासपुर, (आरएनएस)।

बिलासपुर जिले के तखतपुर क्षेत्र में एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है। सकरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम चोरभट्टीखुर्द में बीती रात पूर्व सरपंच प्रतिनिधि मनबोध यादव की अज्ञात हमलावरों ने बेरहमी से हत्या कर दी।

सिर पर धारदार हथियार से वार

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हमलावरों ने मनबोध यादव के सिर पर धारदार हथियार से कई वार किए, जिसके परिणामस्वरूप घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई।

बताया गया है कि मनबोध यादव बुधवार की रात लगभग 8 बजे किसी निजी कार्य से अपने घर से निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। गुरुवार की सुबह, ग्रामीणों ने गांव के पास स्थित एक मुर्गी फार्म के नजदीक उनका खून से लथपथ शव देखा। इस खौफनाक वारदात के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है।

पुलिस कर रही है गहन जांच

घटना की सूचना मिलते ही सकरी पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा करते हुए मर्ग कायम किया और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस इस हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने के लिए विभिन्न एंगलों से छानबीन कर रही है।

सूत्रों के हवाले से खबर है कि पुलिस क मनबोध यादव के साथ रात में शराब पीने वाले व्यक्ति से गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों की तलाश में विशेष टीमें गठित कर दी हैं और जल्द ही हत्यारों को पकड़ने का दावा कर रही है।

लाठी-डंडों से हमला मामले में 11 आरोपी पुलिस हिरासत में

कोरबा । जिले के सीतामढ़ी इलाके में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर लाठी-डंडों से जानलेवा हमला किया गया। घटना के बाद पुलिस ने 6 युवकों और 5 नाबालिगों को गिरफ्तार किया है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया, जिसने हमलावरों की पहचान करने में मदद की। पीड़ित युवक ने घटना के समय अपनी जान दुकान में जाकर बचाई, अन्यथा नुकसान और बड़ा हो सकता था।

घटना का विवरण घटना सीतामढ़ी क्षेत्र में हुई पुरानी रंजिश के चलते विवाद बढ़ा हमलावरों ने लाठी-डंडों से हमला किया। पीड़ित युवक ने दुकान में जाकर अपनी जान बचाई। घटना के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान हुई 6 युवक और 5 नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के खिलाफ धारा 307 (हत्या का प्रयास) सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज। पुलिस ने कहा कि मामले की गहन जांच जारी है

स्थानीय लोग घटना को लेकर चिंतित पुरानी रंजिश और मारपीट से इलाके में सुरक्षा को लेकर सवाल उठे पुलिस द्वारा जल्द गिरफ्तारी से कुछ राहत मिली। नाबालिगों के लिए जुवेनाइल कोर्ट में प्रक्रिया शुरू होगी। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफकड़ी कार्रवाई की संभावना।

व्यवस्थित धान खरीदी से किसान महिपाल सिंह को हुआ सुगम लाभ

ऑनलाइन टोकन व पारदर्शी प्रक्रिया ने आसान बनाया महिपाल सिंह का धान विक्रय

सर्वाधिक समर्थन मूल्य और साफ-सुथरी खरीदी व्यवस्था का मिला लाभः- किसान महिपाल सिंह

कोरबा । खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में धान खरीदी व्यवस्था कोरबा जिले में पहले से अधिक व्यवस्थित और सटीक रूप में संचालित हो रही है। कोरबा विकासखण्ड के जामबहार के मेहनतकश किसान श्री महिपाल सिंह भी इस सुव्यवस्थित प्रक्रिया से लाभान्वित हुए हैं। 6 एकड़ कृषि भूमि में मेहनत कर उपज तैयार करने वाले महिपाल सिंह ने इस वर्ष सोनपुरी उपार्जन केंद्र में 90 क्विंटल धान का विक्रय किया।

किसान महिपाल सिंह ने खरीदी के दौरान मिली त्वरित और पारदर्शी प्रक्रिया की सराहना की। उनका कहना है कि केंद्र में वजन, पंजीयन और विक्रय की प्रक्रिया बिना किसी विलंब के पूरी हुई। उनके लिए सबसे उपयोगी साबित हुई ऑनलाइन टोकन व्यवस्था। इस सुविधा के कारण समिति के बारदूबार चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ी। टोकन में मिले समय पर पहुँचने से उनका धान तुरंत खरीदा गया और अनावश्यक प्रतीक्षा से बचाव हुआ। महिपाल ने बताया कि यह बदलाव खेत से बाजार तक की प्रक्रिया में समय और श्रम दोनों की बचत करता है। इस वर्ष सरकार द्वारा घोषित सर्वाधिक समर्थन मूल्य का लाभ मिलने पर भी वे संतुष्ट दिखाई दिए। उनका कहना है कि मेहनत की फसल जब निर्धारित मूल्य पर साफ-सुथरी प्रक्रिया के साथ बिकती है, तो पूरे वर्ष की परिश्रम का उचित फल मिलता है।

महिपाल ने बताया कि पिछले वर्ष उन्होंने लगभग 80-90 क्विंटल धान बेचा था एवं इस बार उपार्जन केंद्र की उन्नत सुविधाओं और सुचारू खरीदी प्रक्रिया ने उनके अनुभव को पूरी तरह बदल दिया। केंद्र में बेहतर व्यवस्था, सटीक माप-तौल और समय पर भुगतान ने उनमें नया विश्वास और उत्साह जगाया है। उन्ह कहा कि पारदर्शी और तेज खरीदी प्रणाली न केवल खेती को नई उम्मीद और स्थिरता दे रही है, बल्कि किसानों को उनके परिश्रम का उचित मूल्य दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। शासन के धान खरीदी की सकारात्मक प्रयास ने इस वर्ष न सिर्फ उन्हें, बल्कि पूरे क्षेत्र के किसानों को प्रसन्न और आश्वस्त किया है।

उद्योग मंत्री ने किया ऑक्सी जोन विकास कार्यो का लोकार्पण

0 पोड़ीबहार में 03 विकास कार्यो के भूमिपूजन सहित कुल 179 लाख रू. के विकास कार्यो की दी सौगात

0 महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर सहित पार्षदों, जनप्रतिनिधियों की रही गरिमामयी उपस्थिति

कोरबा प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने नगर पालिक निगम कोरबा के वार्ड क्र. 32 पोड़ीबहार बांसबाड़ी उद्यान में ऑक्सी जोन विकास कार्यो का लोकार्पण किया, वहीं पोड़ीबहार बस्ती के विभिन्न स्थानों में किए जाने वाले 03 विकास कार्यो का भूमिपूजन भी उनके हाथों किया गया। लोकार्पण भूमिपूजन कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के द्वारा की गई, वहीं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर सहित निगम की मेयर इन काउंसिल के सदस्यगण, पार्षदगण आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा पोड़ीबहार मुक्तिधाम के सामने स्थित बांसबाड़ी उद्यान में एन.सी.ए.पी. मद से ऑक्सी जोन का निर्माण 01 करोड़ 60 लाख 11 हजार रूपये की लागत से किया गया है, जिसका लोकार्पण उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के हाथों किया गया। इसी प्रकार निगम द्वारा वार्ड क्र. 32 पोड़ीबहार में मंदिर के समीप प्रभारी मंत्री मद से 07 लाख रूपये की लागत से आर.सी.सी.छत का निर्माण, वार्ड क्र. 32 पोड़ीबहार अंतर्गत महालक्ष्मी इंटरप्राईजेस से सुरेशचंद मंगल के घर तक जिला खनिज न्यास मद से 06 लाख रूपये की लागत से सी.सी.रोड व नाली का निर्माण तथा वार्ड क्र. 32 अंतर्गत यादव के घर से सी.पी.पटेल घर तक जिला खनिज न्यास मद से 06 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड नाली का निर्माण किया जाना हैं, जिनका भूमिपूजन भी केबिनेट मंत्री श्री देवांगन के करकमलों से किया गया।

मंत्री श्री देवांगन ने इन विकास कार्यो का विधिवत भूमिपूजन किया तथा शीघ्र कार्य प्रारंभ कर पूरी गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य कराते हुए समयसीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए है। इस मौके पर दिए गए उद्बोधन में उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में राज्य सरकार राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए दृढ़संकल्पित है, विकास के सभी क्षेत्रों में हमारे छत्तीसगढ़ का तेजी से विकास हो रहा है, विगत दो वर्षो के दौरान पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य करते हुए राज्य सरकार ने एक जनहितैषी सरकार की छबि अंकित की है। उन्होने कहा कि जहॉ तक कोरबा के विकास का प्रश्न है तो कोरबा का तेजी से विकास हो रहा है, यहॉ की बरसों पुरानी समस्याएं दूर हो रही हैं तथा कोरबा के विकास के लिए धनराशि की केाई कमी भविष्य में भी नहीं होने दी जाएगी, यह मैं आश्वस्त करता हूँ। इस मौके पर मंत्री श्री देवांगन ने महापौर श्रीमती राजपूत के आग्रह पर उक्त ऑक्सी जोन बांसबाड़ी के बाउण्ड्रीवाल निर्माण की घोषणा भी की।

आमजन की समस्याओं को दूर करना सर्वोच्च प्राथमिकता - इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि कोरबा की देवतुल्य जनता की समस्याओं को दूर करना, उन्हें समस्त मौलिक सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, मेरा सौभाग्य है कि हमें प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरूण साव एवं कोरबा के लाडले विधायक व प्रदेश के उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन का लगातार मार्गदर्शन, सहयोग व आशीर्वाद कोरबा के विकास के लिए मुझे प्राप्त हो रहा है। निर्माण कार्यो हेतु धनराशि की कोई कमी नहीं हो रही है तथा हम निर्माण कार्यो से संबंधित जो भी मांग उनके सामने रखते हैं, वह प्राथमिकता के साथ पूरी होती है।

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर न्यायिक जागरूकता यह विवेक और न्याय का युग है-कु. डिंपल

एजेंसी

कोरबा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा के निर्देशानुसार ष्विश्व मानवाधिकारष् दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा के निर्देशन में मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना अंतर्गत संचालित शासकीय आवासीय प्रयास विद्यालय, में विधिक जागरूकता कार्यकम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता कुमुदिनी गर्ग, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अपने प्रेरक उद्बोधन में बताया इस वर्ष 2025 की थीम लोगों को यह समझनें पर केंद्रित है कि मानव अधिकार सिर्फ अदालतों कागजों या बड़े मुद्दों तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा भी है, थीम का मकसद यह दिखाना है कि मानव अधिकार कोई विशेषाधिकार नहीं बल्कि रोजमर्रा की खुशी और सुरक्षा की बुनियाद है, जो जीवन का वह अधिकार है, जो हर व्यक्ति को जीवित रहने और सुरक्षा देने का अधिकार देता है। प्रावधान के अनुसार सभी लोग कानून के सामने समान और भेदभाव से मुक्त रहने का अधिकार रखते हैं यह सभी को अपनी राय रखने उसे व्यक्त करने का बराबर अधिकार देता है। उद्धबोधन की कड़ी में विभिन्न प्लेटफार्मों से जुड़े साइबर अपराधों की सतर्कता को बताते हुए यातायात नियमों एवं उनके पालन तथा पास्को एक्ट के बारे में एवं उम्र से पहले हार्मोनल विसंगतियों से विपरीत यौन के प्रति आकर्षण एवं उनसे होने वाले दुष्प्रभावों व गुमशुदी रिपोर्ट उपरांत न्यायालय में हुए खुलासों एवं लैंगिक अपराधों से पीड़ित लोगों से मिली जानकारी की व्याख्या कानूनी व्यवस्थाओं नए पुराने कानून की जानकारी एवं साक्ष्य के बारे में जागरूक किया गया।

सचिव कु. डिम्पल ने बताया कि हर वर्ष 10 दिसंबर को विश्व में मानवाधिकार दिवस मनाया जाता है जो मानवाधिकारों की सुरक्षा गरिमा समानता न्याय और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के सिद्धांत, प्रावधानों में निहित है जो न्यायालय द्वारा लागू किए जाते हैं जो मानव अधिकार संरक्षण का शक्तिशाली साधन बनते हैं।

डीजीपी ने ली सीएसपी और एएसपी की बैठक, ऑपरेशन निश्चय को मजबूती देने बनाई गई रणनीति

रायपुर । छत्तीसगढ़ के डीजीपी अरुणदेव गौतम ने बुधवार पुलिस कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण किया। तय कार्यक्रम से हटकर पहुंचे डीजीपी ने रायपुर जिले के सभी सीएसपी और एएसपी की तात्कालिक बैठक भी बुलाई, जिसमें ऑपरेशन निश्चय को मजबूती देने रणनीति बनाई गई।

इस दौरान रायपुर रेंज आईजी अमरेश मिश्रा ने कहा कि निश्चय अभियान तीन टर्म पर चलता है। इसमें ड्रग्स की सप्लाई रोकने, खपत को कम करने और कोर्ट तक मॉनिटरिंग शामिल है। ड्रग्स की सप्लाई रोकने में अच्छी सफलता मिली है। पाकिस्तान के रास्ते पंजाब से आने वाले कुल 10 माड्यूल ध्वस्त किए गए हैं। दिल्ली, मुंबई से आने वाले सिंथेटिक ड्रग्स की बड़ी खेप पर कार्रवाई हुई है।

आईजी मिश्रा ने कहा, अब थानों से रिहैब की कार्रवाई होगी। कोर्ट मॉनिटरिंग करना, फरार आरोपियों को पकडऩा, इस कार्य में 100 के आकड़े पहुंचने वाले हैं। नशामुक्ति को लेकर आईजी अमरेश मिश्रा ने कहा, 2 से 3 लाख लोगों का रिहैब करना है, लेकिन कैपिसिटी कम है। पहले चरण में जिनका परिवार सपोर्ट कर रहा है उन्हें शामिल किया गया है। सबसे ज्यादा यही लोग वायलेंट है। जब सबसे बड़ा बदमाश मोहल्ले में नशा छोडऩे की बात करेगा तब नशामुक्ति अभियान प्रभावी होगा।

ड्रग्स की सप्लाई चैन और ऑपरेशन निश्चय की मजबूत स्ट्रेटेजी को लेकर आईजी ने कहा, ड्रग ट्रेड का उनकी फीचर है, एक जेल जाएगा तो दूर काम करेगा। कुल खेल मार्जिन का है। पंजाबी में 800 में डिलीवरी है, वही सामान रायपुर में 6 हजार में डिलीवरी है। स्ट्रेटेजी मजबूत करने माड्यूल पर फाइनेंशियल एनालिसिस कर रहे हैं। फोरेंसिंक एनालिसिस करने वाले हैं।

धान के अवैध परिवहन एवं भण्डारण पर प्रशासन अलर्ट मोड में, 85 प्रकरणों में 11298.10 क्विंटल धान और 46 वाहन जब्त

रायपुर। प्रशासन ने सभी अंतर्राज्यीय सीमाओं एवं चेक पोस्टों पर चौकसी को और मजबूत करते हुए 24 घंटे निगरानी की जा रही है। इसके तहत संदिग्ध वाहनों, परिवहन गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पारदर्शी एवं निष्पक्ष धान खरीदी नीति के तहत अब तक बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में कुल 85 प्रकरण दर्ज किए गए हैं, जिनमें 11298.10 क्विंटल अवैध धान एवं 36 चार पहिया वाहन व 10 दोपहिया कुल 46 वाहनों को जब्त किया गया है, जो कि प्रशासन की सतत निगरानी तथा संयुक्त दलों की सक्रियता का परिणाम है।कलेक्टर बलरामपुर-रामानुजगंज के निर्देशन में जिले में अवैध धान भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर के मार्गदर्शन में सभी अंतर्राज्यीय एवं आंतरिक चेक पोस्टों पर भी टीमों को तैनात किया गया है। साथ ही प्रत्येक अनुविभाग में गठित निगरानी दल रात्रि कालीन गश्त के साथ ही आने-जाने वाले वाहनों की सघन जांच की जा रही हैं और मंडी अधिनियम के प्रावधानों के अन्तर्गत कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर ने आम नागरिकों एवं किसानों से अपील की है कि यदि अवैध धान परिवहन या भंडारण से संबंधित कोई भी संदिग्ध गतिविधि या सूचना मिले तो तुरंत सूचित करें, जिसमें सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

बर्तन खरीदी में भ्रष्टाचार के लिए केंद्र सरकार के नियम दरकिनार-कांग्रेस

रायपुर । लोकसभा प्रत्याशी एवं पूर्व संसदीय सचिव छत्तीसगढ़ शासन, रायपुर पश्चिम के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने बताया कि अलमुनियम का खाद्य सामग्री निर्माण (भोजन) पर दुष्परिणाम देखे गए हैं स्वास्थ्य पर होने वाले इन्हीं दुष्परिणामों के चलते न्यायालय के आदेश में सरकारी प्रयोग खाद्य सामग्री निर्माण पर रोक है इसके बावजूद प्रधानमंत्री पोषण योजना के तहत एल्यूमिनियम के बर्तन खरीदने के लिए छत्तीसगढ़ में सरकार ने प्रक्रिया शुरू कर दी है जिसे नियमों के अनदेखी को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। विकास उपाध्याय ने बताया कि केंद्र सरकार की स्पष्ट गाइडलाइन के बावजूद एल्यूमिनियम सामग्री के उपयोग पर रोक को दरकिनार कर अपने चाहते फर्मों को लगातार लाभ दिलाने का मामला सामने आया है जो पूरे सिस्टम की पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। सुप्रीम कोर्ट की नाराज़गी के बाद भी सीख नहीं? हाल ही में स्पोर्ट्स किट के टेंडर पर उच्चतम न्यायालय ने पुनः-टेंडर का आदेश दिया था। विशेषज्ञों का कहना है कि सर्वोच्च अदालत का हस्तक्षेप यह दर्शाता है कि खरीद प्रक्रिया पर से भरोसा उठता जा रहा है। जनता का प्रश्न है-एक के बाद एक टेंडरों पर संदेह क्यों? बच्चों के स्वास्थ्य से समझौता? एल्यूमिनियम बर्तनों का उपयोग बच्चों के लिए स्वास्थ्य जोखिम बन सकता है। केंद्र के निर्देशों को नजरअंदाज कर जारी टेंडरों को लेकर अभिभावकों और सामाजिक संगठनों ने चिंता जताई है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि- पोषण योजना में भी यदि अनियमितता हो जाए तो यह सीधे बच्चों के भविष्य पर चोट है। केंद्र के निर्देशों के विपरीत एल्यूमिनियम बर्तनों का टेंडर भारत सरकार ने पीएम पोषण योजना में एल्यूमिनियम के बर्तनों के उपयोग से बचने के निर्देश दिए थे, क्योंकि इससे बच्चों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

जनजाति बसाहटों में विकास की नई रोशनी, पीएम जनमन योजना से जनजातीय अंचल में तेजी से बदल रहा जीवन

जनजातीय अंचल में बेहतर सड़क, पानी, बिजली जीवन स्तर में बड़ा बदलाव

रायपुर । पीएम जनमन योजना का लक्ष्य विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के लिए सुरक्षित आवास, स्वच्छ पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषणए सड़क, दूरसंचार और स्थायी आजीविका के अवसर जैसी बुनियादी सुविधाओं को सुनिश्चित कर उनके सामाजिक.आर्थिक स्थिति में सुधार करना है।

मुख्य मंत्री विष्णु देव साय (राज्य सरकार) के दो साल आगामी 13 दिसंबर को पूरे हो रहे हैं। इन दो सालों में धमतरी जिले में विकास के बहुत से काम हुए हैं। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाभियान (पीएम जनमन योजना) के अंतर्गत जिले की कमार एवं विशेष पिछड़ी जनजाति की बसाहटों में बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण का कार्य तेज गति से जारी है। योजना का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को आवास, स्वच्छ पेयजल, बिजली, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका जैसी मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराना है। प्रशासनिक प्रयासों से इन बसाहटों में विकास की नई किरण पहुँच रही है।

आवास निर्माण में बड़ी उपलब्धि

जिले में 1481 आवास स्वीकृत किए गए हैं, इनमें से 1046 आवास पूर्ण हो चुके हैं, जबकि 435 आवास निर्माणाधीन हैं। अधिकारियों ने बताया कि शेष आवास अगले चार माह में पूर्ण कर लिए जाएंगे। ग्रामीणों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण आवास उपलब्ध कराना प्रशासन की पहली प्राथमिकता है।

सड़क एवं आधारभूत संरचना का विस्तार

पीएम जनमन योजना के तहत 36 सड़कों का निर्माण स्वीकृत किया गया है। इन सड़कों की कुल 1341.60 लाख रुपए स्वीकृत हुए हैं। अधिकांश निर्माण कार्य प्रगति पर है। सड़कें बन जाने से दूरस्थ बसाहटों को बाजार, स्वास्थ्य एवं प्रशासनिक सेवाओं से बेहतर जोड़ मिलेगा। धमतरी जिले के नगरी ब्लॉक मसानडबरा में मॉडल आवास कॉलोनी का निर्माण भी तेजी से जारी है। यह कॉलोनी आधुनिक सुविधाओं से युक्त होगी, जिससे स्थानीय जनजातीय परिवार सुरक्षित और बेहतर वातावरण में रह सकेंगे।

पेयजल व बिजली व्यवस्था पूर्ण

जल जीवन मिशन के अंतर्गत सभी घरों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करा दिया गया है। साथ ही हर घर का विद्युतीकरण पूर्ण हो चुका है। गांवों में रोशनी पहुँचने से बच्चों की पढ़ाई, आजीविका कार्यों और सुरक्षा की स्थिति में बड़ा सुधार हुआ है।

बहुउद्देश्यीय केंद्रः- नए अवसरों के द्वार

जनजातीय समुदायों के सर्वांगीण विकास के लिए भारत सरकार द्वारा स्थापित बहुउद्देश्यीय केंद्र ग्रामीण अंचलों में नई संभावनाएँ तैयार कर रहे हैं। नगरी ब्लॉक के बोईरगांव में निर्मित नया बहुउद्देश्यीय केंद्र शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और आजीविका संबंधी गतिविधियों का केंद्र बन रहा है। आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों को ज्ञानवर्धक शिक्षण सामग्री और खिलौने उपलब्ध कराए गए हैं। ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ, प्रशिक्षण और आवश्यक मार्गदर्शन भी यहीं प्राप्त होगा। 50-सीटर बालक छात्रावास निर्माण नगरी विकासखंड के बाजार कुर्रीडीह में 50-सीटर बालक छात्रावास का निर्माण जारी है। इसका कार्य जनवरी तक पूर्ण हो जाएगा। छात्रावास तैयार होने के बाद कमार जनजाति के बच्चों को सुरक्षित आवास, भोजन और अध्ययन की सभी मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध होंगी।

मॉडल बसाहटों में समग्र विकास

ग्राम पिपरहीभर्री में एकीकृत ग्राम योजना एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत सामाजिक एवं संसाधन मानचित्र, गैप एनालिसिस, लघुवनोपज प्रबंधन और आजीविका कार्ययोजनाओं का दस्तावेजीकरण किया गया है। यह कार्य ग्रामीण समुदाय को अपने प्राकृतिक संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन और टिकाऊ विकास की दिशा में सशक्त आधार प्रदान करता है।

133 बसाहटों में त्वरित गतिविधियों की सौ फीसदी संतृप्ति

जिले की 133 बसाहटों में त्वरित गतिविधियों की पूर्ण संतृप्ति हासिल की गई है। इससे यह सुनिश्चित हुआ है कि प्रत्येक कमार परिवार तक योजना का लाभ समय पर पहुँचे। पीएम-जनमन योजना के माध्यम से विकास, सम्मान और आत्मनिर्भरता की रोशनी अब जिले की हर जनजातीय बसाहट तक पहुँच रही है। दूरस्थ अंचलों में रहने वाले परिवार अब मुख्यधारा से तेजी से जुड़ रहे हैं और सुरक्षित, स्वस्थ तथा बेहतर जीवन की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा रहे हैं।

रायपुर संभाग के भाजपा सह प्रभारी बने डॉ. राजीव सिंह, कोरबा में हुआ आत्मीय स्वागत

कोरबा (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा डॉक्टर राजीव सिंह को रायपुर संभाग का सह प्रभारी मनोनीत किया गया। नवदायित्व मिलने के बाद पहली बार कोरबा पहुंचे डॉ राजीव सिंह का आत्मीय स्वागत किया गया। नेताजी सुभाष चैक कोरबा पर गुरुवार शाम को विशेष चहल पहल थी। कोरबा के अनेक गणमान्य नागरिक हाथ में माला लिए प्रतीक्षा कर रहे थे डॉ राजीव सिंह का। छत्तीसगढ़ भाजपा अध्यक्ष द्वारा घोषित प्रभारी की सूची में कोरबा के पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ राजीव सिंह का नाम रायपुर संभाग के सह प्रभारी के रूप में अंकित था। वह धार्मिक यात्रा पर थे आज जैसे ही उनकी गाड़ी सुभाष चैक पर पहुंची वहां उपस्थित लोगों में उनका स्वागत करने की होड़ मच गई। डॉ राजीव सिंह को पुष्पमालाओं से लाद दिया गया।

डॉ राजीव सिंह का स्वागत हो ही रहा था तभी कोरबा भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल मोदी भी सुभाष चैक पहुंच गए। उन्होंने भी डॉक्टर राजीव सिंह का स्वागत किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जयस्तंभ चौक में किया शहीद वीर नारायण सिंह के त्याग और संघर्ष का स्मरण

रायपुर । छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और जननायक अमर शहीद वीर नारायण सिंह की पुण्यतिथि पर आज मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित जयस्तंभ चौक पहुँचकर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शहीद वीर नारायण सिंह का जीवन त्याग, साहस और न्याय की अनुपम मिसाल है। अंग्रेजी शासन के अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध शहीद वीर नारायण सिंह ने जिस अदम्य साहस के साथ संघर्ष किया, वह छत्तीसगढ़ की गौरवमयी विरासत का स्वर्णिम अध्याय है। मातृभूमि की रक्षा और समाज के वंचित वर्गों के प्रति उनकी निष्ठा हमारे लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सोनाखान के ज़मींदार परिवार में जन्म लेने के बाद भी शहीद वीर नारायण सिंह का हृदय सदैव आदिवासियों, किसानों और गरीब परिवारों के दुःख-संघर्ष से जुड़ा रहा। वर्ष 1856 के विकट अकाल में जब आमजन भूख से व्याकुल थे, तब उन्होंने मानवता को सर्वोपरि मानते हुए अनाज गोदाम का अनाज ज़रूरतमंदों में बाँटकर करुणा, त्याग और साहस का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। यह कदम केवल विद्रोह नहीं था, बल्कि सामाजिक अन्याय, शोषण और असमानताओं के विरुद्ध एक ऐतिहासिक उद्घोष था।

नक्सलवाद मुक्त छत्तीसगढ़ का संकल्प तेजी से हो रहा साकार : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

सुकमा में 10 माओवादी कैडरों ने किया आत्मसमर्पण, पुनर्वास से पुनर्जीवन की नई शुरुआत

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज सुकमा जिले में पूना मारगेम - पुनर्वास से पुनर्जीवन कार्यक्रम के तहत दरभा डिवीजन कमेटी सहित विभिन्न नक्सली संगठनों से जुड़े 10 माओवादी कैडरों के आत्मसमर्पण को ऐतिहासिक और सकारात्मक परिवर्तन का प्रतीक बताया। उल्लेखनीय है कि इनमें 6 महिला माओवादी भी शामिल हैं, जिन पर कुल 33 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि नक्सलवाद मुक्त छत्तीसगढ़ का संकल्प अब केवल लक्ष्य नहीं, बल्कि तेजी से साकार होती वास्तविकता बन रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सशक्त नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के विरुद्ध लड़ाई अब अपने निर्णायक मोड़ पर है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह आत्मसमर्पण इस बात का प्रमाण है कि बस्तर में अब हिंसा, भय और भटकाव की विचारधारा कमजोर पड़ रही है, जबकि विकास, विश्वास और संवाद की राह मजबूत हो रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हिंसा के रास्ते पर न वर्तमान सुरक्षित होता है और न ही भविष्य। छत्तीसगढ़ सरकार की विशेष पुनर्वास नीति आत्मसमर्पण करने वालों को सम्मान, सुरक्षा, आजीविका और समाज में पुनर्स्थापना की ठोस गारंटी देती है। मुख्यधारा में लौटकर ये लोग अपने परिवारों के साथ एक स्थायी, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन की नई शुरुआत कर सकते हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्पष्ट किया कि सरकार का लक्ष्य पूरी तरह स्पष्ट है– छत्तीसगढ़ को पूर्णतः नक्सलवाद मुक्त बनाना और बस्तर को विकास, विश्वास और अवसरों की नई पहचान देना। मुख्यमंत्री श्री साय ने आत्मसमर्पण करने वाले कैडरों के निर्णय का स्वागत करते हुए अन्य भटके युवाओं से भी अपील की कि वे हिंसा का मार्ग छोड़कर लोकतांत्रिक व्यवस्था और विकास की मुख्यधारा से जुड़ें।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आईआईएसडी स्वनिति इनिशिएटिव की 'मैपिंग इंडियाज स्टेट लेवल एनर्जी ट्रांज़िशनः छत्तीसगढ़' रिपोर्ट का किया विमोचन

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में अंतरराष्ट्रीय संस्था इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफसस्टेनेबल डेवलपमेंट और स्वनिति इनिशिएटिव के शोधकर्ताओं ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उनकी विस्तृत अध्ययन रिपोर्ट मैपिंग इंडियाज स्टेट लेवल एनर्जी ट्रांज़िशनः छत्तीसगढ़ का विमोचन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने शोधकर्ताओं के साथ राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा के प्रसार, ऊर्जा सुरक्षा, और सतत विकास की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार की रणनीतियों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की।

बस्तर ओलंपिक के जिला स्तरीय खेलों में चयनित हुए किशन

बीजापुर। बीजापुर जिले के छोटे से गांव छोटे तुमनार (भैरमगढ़) के 27 वर्षीय किशन कुमार हप्का ने साबित कर दिया है कि सच्चा खिलाड़ी परिस्थितियों से नहीं, अपने हौसले से पहचाना जाता है। कभी डीआरजी का जांबाज़ जवान रहे किशन को वर्ष 18 जुलाई 2024 में नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी विस्फोट की चपेट में आकर अपना एक पैर खोना पड़ा था। हादसा इतना बड़ा था कि कोई भी सामान्य इंसान हार मान ले, लेकिन किशन की सोच ने उनके लिए नया रास्ता तैयार कर दिया। शरीर ने साथ छोड़ा, पर दिल में खेले का जुनून और देश सेवा की भावना आज भी उतनी ही मजबूत है। यही जुनून उन्हें फिर से मैदान में ले आया। अपने साहस से लड़ते हुए किशन ने न सिर्फ खुद को संभाला, बल्कि बस्तर ओलंपिक के जिला स्तरीय खेलों में चयनित होकर संभाग स्तरीय प्रतियोगिता तक पहुंचने का इतिहास रच दिया। हादसे के बाद एक समय ऐसा भी आया जब किशन ने उम्मीद छोड़ दी थी,

लेकिन उनके भीतर का खिलाड़ी हार मानने को तैयार नहीं था। खेल के प्रति प्रेम और अंदर छिपी आग ने उन्हें दोबारा खड़ा कर दिया। किशन अपने कोच दुर्गेश प्रताप सिंह को अपना मार्गदर्शक और प्रेरणा का स्रोत मानते हैं। वे कहते हैं। सर ने मुझे सिर्फ खेल नहीं सिखाया, बल्कि यह भरोसा भी दिलाया कि अपंगता शरीर की होती है, मन की नहीं। भैरमगढ़ ब्लॉक के छोटे तुमनार जैसे दूरस्थ गांव से निकलकर किशन आज पूरे बस्तर के लिए प्रेरणा बन चुके हैं। उनका संघर्ष हजारों युवाओं के लिए यह संदेश है कि मुश्किलें चाहे कितनी ही बड़ी हों, पर हौसला उससे हमेशा बड़ा होना चाहिए। किशन की यह उपलब्धि न सिर्फ उनके परिवार, बल्कि पूरे बीजापुर जिले के लिए गर्व का क्षण है। बस्तर ओलंपिक के मैदान में जब वे दौड़ते हैं, तो सिर्फ खेल नहीं, संघर्ष, साहस और उम्मीद भी उनके साथ दौड़ती है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)